दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूं न लिखूं सच
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 129
मुरादाबाद
(Sunday)
30 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी का सपा पर हमलाः 'एक परिवार के पांच सांसदों वाले दल का भी जनता पार्टी जैसा हाल होगा, ये बात तय है'

देवरिया में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने माफिया को पूरी तरह कुचल दिया है। जो लोग बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं,

उनके लिए सिर्फ जेल या नर्क ही जगह है। उन्होंने कहा कि अब एक ज़िला, एक माफ़िया वाली बात नहीं रही। अब एक ज़िला, एक मेडिकल कॉलेज का दौर है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवरिया में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछली सरकारों को एन्सेफलाइटिस और माफिया राज के लिए जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश की छवि सुधरी है। राज्य अब बीमारू नहीं बल्कि एक सम्मानजनक प्रदेश बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एन्सेफलाइटिस सिर्फ बीमारी नहीं, बल्कि एक बीमार सोच थी। यह समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सरकारों की बीमार मानसिकता का परिणाम था। चालीस से अधिक वर्षों में पचास हजार से ज्यादा मासूमों की जान गई।पिछली सरकारों के अधिकारी बेपरवाह रहे और उनकी संवेदना खत्म हो गई थी।

समाजवादी पार्टी या कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री पीड़ितों का हाल जानने नहीं आया। पूरे राज्य में माफिया का समानांतर शासन चलता था। आज उत्तर प्रदेश अपने नाम पर खरा उतरा है। अब कोई भी यूपी को बीमारू राज्य नहीं कहता। राज्य की अब एक सम्मानजनक छवि है।पिछली सरकारों पर हमला

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने मासूमों की जान की परवाह नहीं की। एन्सेफलाइटिस से हजारों बच्चों की मौत हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासनकाल में माफिया राज था। कोई भी गरीब या पीड़ित की खैर-खबर लेने नहीं आया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने इस स्थिति को बदला है। उत्तर प्रदेश अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। माफिया और बीमारियों का खात्मा- मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने माफिया को पूरी तरह कुचल दिया है। जो लोग बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बनते हैं, उनके लिए सिर्फ जेल या नर्क ही जगह है। उन्होंने कहा कि अब एक ज़िला, एक माफ़िया वाली बात नहीं रही। अब एक ज़िला, एक मेडिकल कॉलेज का दौर है। देवरिया और कुशीनगर में मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। जिस तरह माफिया को खत्म किया गया, उसी तरह एन्सेफलाइटिस जैसी बीमारियों को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर साधा निशाना, जेपीएनआईसी में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सपा पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का गंभीर आरोप लगाया है। यह टिप्पणी 26 तारीख को निशुल्क बस यात्रा योजना के शुभारंभ के बाद की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 तारीख को योजना शुरू होते ही सपा का बबुआ नींद से जागा। उसने हड़बड़ी में एक प्रेस वार्ता बुलाई, लेकिन वह भूल गया कि उसे क्या कहना था। योगी ने कटाक्ष किया कि समाजवादी पार्टी का बबुआ दोपहर में उठता है। उन्हें समझाने पर भी बातें समझ नहीं आतीं, क्योंकि उनका दिमाग भारी और सुस्त रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति को केवल चिड़चिड़ापन और सुनने में असमर्थता ही मिलती है। मुख्यमंत्री ने सपा को बड़े लुटेरे बताते हुए लखनऊ के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) का उदाहरण दिया। जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर की शुरुआती अनुमानित लागत 200 करोड़ रुपये थी। लेकिन समाजवादी पार्टी ने इस परियोजना पर 864 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। इतना भारी खर्च करने के बाद भी यह परियोजना अधूरी रह गई थी। सपा का छिपा मकसद- योगी आदित्यनाथ ने सपा के छिपे मकसद का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी की एक और योजना थी। राज्य के खजाने से 900 से 1000 करोड़ रुपये खर्च करके इसे एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से चलवाना था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी खुद एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम करती है। यह उनका एक बड़ा घोटाला करने का तरीका था।जनता से माफी मांगने की मांग- योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को शुक्र मनाना चाहिए कि वह अभी तक बची हुई है। अन्यथा इसका भी वही हाल होता जो कभी जनता दल का हुआ था और वह हाल होना तय है मुख्यमंत्री ने मांग की कि समाजवादी पार्टी प्रमुख को सार्वजनिक रूप से जनता से माफी मांगनी चाहिए। यह उनके कुशासन और भ्रष्टाचार के लिए आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

हमें अपने पड़ोसियों के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए: नेपाल को लेकर खरगे का पीएम मोदी को पत्र

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नेपाल में आई भीषण बाढ़ को लेकर चिंता जताई। साथ ही खरगे ने सरकार से नेपाल की हरसंभव मदद करने और राहत और बचाव कार्य तेज करने की भी मांग की है। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने नेपाल में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी और नेपाल को मानवीय मदद भेजने की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि वह नेपाल में आई भीषण बाढ़ से बहुत चिंतित हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और करीब दो हजार लोग अभी भी लापता हैं। हजारों लोग भोजन, दवा, आश्रय और अन्य जरूरी मदद के लिए परेशान हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री से किया ये अनुरोध- खरगे ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि नेपाल सरकार के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित लोगों को पर्याप्त मानवीय और राहत सहायता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के कारण नेपाल के अलग-अलग हिस्सों में कई भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि बचाव और निकासी के प्रयासों को तेज किया जाए

मराठा आरक्षण पर सियासत तेजः मनोज जरांगे ने फिर शुरू की भूख हड़ताल, सीएम फडणवीस को बताया दुश्मन

मराठा आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। उनकी प्रमुख मांग पात्र मराठा लोगों को उपलब्ध कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर जाति प्रमाणपत्र देने की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो समर्थकों के साथ मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास तक मार्च किया जाएगा।मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने शनिवार को अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पहले से चिन्हित 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर मराठा समुदाय के लोगों को तुरंत जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समुदाय सरकार को इस मामले में अब और समय नहीं देगा। जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में पत्रकारों से बातचीत में जरांगे ने कहा कि यह उनका अंतिम आंदोलन होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर

मराठा समुदाय के प्रति दुश्मनी रखने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उन्हें चुपचाप समर्थन दे रहे हैं। मनोज जरांगे ने जाति सत्यापन समिति को खत्म करने की भी मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सरकार आरक्षण से जुड़े सभी लंबित मुद्दों का समाधान नहीं करती है तो वह मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास %वर्षा% की ओर मार्च करेंगे।मनोज जरांगे ने कहा, %%देवेंद्र फडणवीस जानबूझकर मराठा समुदाय के प्रति दुश्मनी रख रहे हैं और एकनाथ शिंदे सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट के जरिए उन्हें गुप्त समर्थन दे रहे हैं। अगर वे हमारे मुद्दों का समाधान नहीं करते हैं तो हम मुंबई में मुख्यमंत्री के सरकारी आवास वर्षा की ओर मार्च करेंगे। अगर सरकार का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए आता है तो हम उससे बात करेंगे, लेकिन उसे ठोस समाधान के साथ आना होगा।%%जरांगे ने मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी के रूप में मान्यता देने की मांग को लेकर कई आंदोलन किए हैं। कुनबी एक कृषि समुदाय है, जिसे अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिलता है। उन्होंने कहा, सरकार को 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड के आधार पर मराठा समुदाय के लोगों को तुरंत जाति प्रमाणपत्र जारी करने चाहिए। समुदाय सरकार को इसके लिए अब और समय नहीं देगा। मनोज जरांगे ने की क्या मांगें?- उन्होंने राज्य सरकार से सातारा गजट के आधार पर आरक्षण देने की भी मांग की। उन्होंने महाराष्ट्र में आरक्षण आंदोलन से जुड़े प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी पुलिस मामले वापस लेने की मांग की। उन्होंने पिछले आंदोलनों के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को सरकारी नौकरी और आर्थिक मुआवजा देने की भी मांग की। जरांगे ने मराठा और कुनबी समुदायों के लिए अलग राज्य स्तरीय विभाग बनाने और उसमें तत्काल कर्मचारियों की नियुक्ति करने की मांग की। उन्होंने अन्नासाहेब पाटील आर्थिक विकास महामंडल के माध्यम से दिए गए कर्ज पर ब्याज की राशि जारी करने और लंबित सारथी छात्रवृत्तियां जारी करने की भी मांग की। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता ने लगाया पक्षपात का आरोप- उन्होंने सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग कोटे के तहत चयनित उम्मीदवारों को तत्काल नियुक्ति पत्र देने की मांग भी की। व्यवस्था में पक्षपात का आरोप लगाते हुए जरांगे ने कहा, %%यह सरकार नहीं चाहती कि मराठा समुदाय आगे बढ़े।

कई लोगों ने थामा सपा का दामन, अखिलेश यादव ने दिलाई सदस्यता; बोले- आप सभी का दिल से स्वागत

लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यक्रम में कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नए सदस्यों का स्वागत कर उन्हें पार्टी की नीतियां जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। उन्होंने मुफ्त बस सेवा के मुद्दे पर सरकार को घेरा और जाट समाज से जुड़े मामलों पर भी सवाल उठाए।राजधानी में समाजवादी पार्टी के कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करते हुए उन्हें सदस्यता दिलाई।इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। अखिलेश यादव ने नए सदस्यों से समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

अखिलेश बोले- मुफ्त बस का वादा कर बसें हटवाईं- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के मुद्दे को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने रक्षाबंधन पर मुफ्त बस यात्रा का वादा तो किया, लेकिन बसें ही हटवा दीं।अखिलेश यादव ने भाजपा नेताओं पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा, प्राण जाए पर वचन न जाए कहने वाले रघुवंशियों तक को ठग लेने वाले ये भाजपा नेता क्या वचन निभाएंगे।जाट समाज से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार को घेरा-उन्होंने जाट समाज से जुड़े मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री जाट समाज में व्याप्त आक्रोश और मारे गए लोकप्रिय युवा गायक अंकित बालियान के दुखी पिता की बात सुनेंगे या उनसे भी उसी तरह पेश आएंगे, जैसा पहले एक दुखी मां के साथ हुआ था।अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ वोटों की सगी है, जाट या किसी अन्य समाज की नहीं।उन्होंने कहा कि आज जो जाट नेता अपने स्वार्थ के कारण भाजपा के साथ खड़े हैं, उनसे पूरा जाट समाज जवाब मांग रहा है। सपा अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि भाजपा के सहयोगी जाट नेता आखिर कहां भूमिगत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि युवा जाट आज ऐसे नेताओं को तलाश रहे हैं और उनसे जवाब मांगना चाहते हैं।

शुद्धिकरण भी छुआछूत का दूसरा रूपः राहुल गांधी ने खरगे के लिए मांगा न्याय, कहा- देश में संविधान-संघ की लड़ाई

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दलितों के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने दावा किया कि देश में आज भी दलितों को छुआछूत का सामना करना पड़ता है। राहुल ने मल्लिकार्जुन खरगे के लिए न्याय की भी मांग की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा और आरएसएस पर बड़ा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा है कि देश में आज भी दो विचारधाराओं संविधान और आरएसएस की विचारधारा की लड़ाई है। राहुल गांधी ने देश में दलितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया और दावा किया कि देश में करोड़ों दलितों के साथ आज भी अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत का संविधान डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है। देश में मौजूदा राजनीतिक संघर्ष को इसी वैचारिक टकराव के रूप में देखा जाना चाहिए। %दलितों के साथ अत्याचार आज तक खत्म नहीं हुआ- राहुल गांधी ने कहा कि दशकों तक दलितों के साथ अत्याचार हुआ जो आज तक खत्म नहीं हो सका है। राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि दशकों तक दलितों के साथ भेदभाव होता रहा है और आज भी हो रहा है।

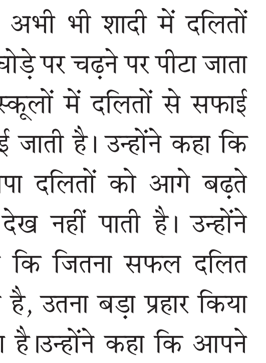

चाय की दुकान पर दलितों के लिए अलग कप रखा जाता है और अभी भी शादी में दलितों को घोड़े पर चढ़ने पर पीटा जाता है। स्कूलों में दलितों से सफाई कराई जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा दलितों को आगे बढ़ते हुए देख नहीं पाती है। उन्होंने कहा कि जितना सफल दलित होता है, उतना बड़ा प्रहार किया जाता है।उन्होंने कहा कि आपने कुछ दिन पहले देखा होगा कि 8 अगस्त 2026 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया था। इसके दो दिन बाद, श्री राम सेना के सदस्यों ने कथित तौर पर उसी स्थान पर शुद्धिकरण हवन किया। राहुल गांधी ने कहा कि शुद्धिकरण करने वालों पर एफआईआर होनी चाहिए.उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को न्याय मिलना चाहिए। शुद्धिकरण भी छुआछूत का ही दूसरा रूप- राहुल गांधी ने कहा राजस्थान में विधायक दल के नेता मंदिर गए और भाजपा के नेताओं ने वहां शुद्धिकरण किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जिन्होंने देश के संविधान और देश के लिए अपना जीवन लगा दिया, उन्होंने हल्द्वानी में रामलीला ग्राउंड में भाषण दिया, वहां भी शुद्धिकरण किया गया। ऐसा करने वाले भाजपा और आरएसएस के लोग हैं। ये एक अपराध है। शुद्धिकरण असल में छुआछूत का ही दूसरा रूप है। छुआछूत गैरकानूनी है, लेकिन भाजपा के लोग इसे खुलेआम करते हैं। जब वे शुद्धिकरण करते हैं, तो वे कह रहे हैं कि दलितों को नहीं छू सकते। यह भारतीय संविधान के तहत एक अपराध है। राहुल गांधी से प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दो सवाल पूछे गए। इसके जवाब में राहुल गांधी ने कहा, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अपमान के मामले में न्याय तो मिलेगा। आज नहीं तो कल इस मामले में एफआईआर होगी। ऐसा न हो, ये संभव ही नहीं है।भाजपा संगठन से जुड़े सवाल पर राहुल गांधी ने कहा मेरी भाजपा के नए संगठन में कोई दिलचस्पी नहीं है। भाजपा का नया संगठन, पुराना संगठन मेरे लिए एक ही है। जिसको ये सामने लाना चाहते हैं, ले आएं, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी लड़ाई विचारधारा और संविधान को बचाने की है।

संपादकीय Editorial

Expensive sugar, why imports?

India is the world's second-largest producer, exporter, and consumer of sugar, surpassed only by Brazil. In a good year and a good harvest, India exports an average of 7 million tons of sugar, but exports are made only after ensuring domestic consumption of 28-28.5 million tons. This year, despite various circumstances, over 4.1 million tons of sugar is in "excess storage." Yet, on Thursday, August 20th, the government granted permission to import 1 million tons of raw sugar. This sugar will, of course, be duty-free. This import situation has arisen after 10 years. The Modi government has imposed a ban on the export of all types of sugar until September 30, 2026. In fact, when major sugar mill traders and association officials met with Prime Minister Modi and Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan in May, they claimed that production of 34.35 million tons of sugar was possible this year, and therefore, exports should be opened. The government trusted their data and opened up exports, but when the reality began to emerge, production stagnated at 27.9 million tons, while national sugar consumption is estimated at 28-28.5 million tons. As a result, sugar, which was selling for around 45 rupees per kg on July 21st, jumped to 50 rupees on July 31st, and reached 65 rupees on Friday, August 21st. Sugar became 20 rupees more expensive in just one month…! Sensing the situation, large traders, wholesalers, and bulk industrial consumers began hoarding sugar even before July, hoping to profit by selling it at higher prices during the festive season. In August, many sugar mills stopped sales altogether, joining the ranks of profiteering and black marketing. Now, Dussehra is on October 20th and Diwali on November 8th. Both are national festivals of India, but the sweetness of sugar has already turned bitter. Ethanol is being portrayed as a "villain," which is completely false. However, we are not in favor of the E-20 policy because the Indian government has failed to provide transparent answers. E-20 is facing strong opposition in the country. Between November 2025 and July 2026, 810.67 crore liters of ethanol were supplied to oil companies. Of this, 259.24 crore liters, or 32 percent, was produced from sugarcane, while the remaining 68 percent was made from corn, molasses, Food Corporation of India rice, and broken or rotten grains. Initially, 3.4 million tons of sugar was intended for ethanol production, but due to low production, only 3 million tons were provided for ethanol production. Despite this, sugar was available in reserves. So the question is: why is sugar being imported? Why is sugar becoming more expensive in the retail market? Does the government have no control over hoarders, profiteers, middlemen, and dominant mills, as these "black marketers" keep emerging again and again? The poor farmer is missing out in this game. The Indian government itself admits that the average farmer's income is less than 10,000 rupees per month. So, who pocketed the profits from high sugar? Obviously, hoarders and brokers kept getting richer. In reality, we neither consider sugar shortages nor inflation a food crisis, nor can it lead to national anarchy. However, opposition leaders like Mallikarjun Kharge and Akhilesh Yadav will certainly play politics. However, experts believe that the sugarcane crop in Maharashtra, Karnataka, and Gujarat was affected by excessive rainfall in September and October last year. As a result, production declined, and storage fell to a nine-year low. This year, too, June saw very little rainfall, especially in Maharashtra and Karnataka. The monsoon was also unbalanced. It's clear that sugarcane fields and sugar production will certainly be affected even in 2026-27. It's estimated that sugar production could decline by 3.3 million tons.

The Democracy of Donations - Your Pocket, Our Virtue

Gujri Guru, the great pioneer of the donation tradition, tells newcomers, "Asking for donations is a great art. Whether you recognize them or not, as soon as you arrive, lower your eyes and offer such a Bhudani Namaskar that all the other person's senses are preoccupied with recognizing you. The second important thing is that while you are speaking, the people accompanying you should keep their faces expressionless, like side characters in rural dramas. ...And most importantly, if the person leading the donation has a sharp eye for bluffing, the money will spring from the other person's pocket, and they will feel that they have made a significant contribution to the nation's welfare and that by accepting this donation, you have done them a favor."

These days, donations are in the news. "Donations" is a beautiful word, by the way. One donation exists in the sky, and the other on the ground. The heavenly donation has the coolness of moonlight, and the earthly donation has the warmth of money. The heavenly donation does not ask for anything from anyone. He quietly leaves, turns on his light, and leaves. Poets write poems after seeing him, and children eat milk and rice after seeing him. But the land donor is very hardworking. He arrives at all times, season and season. Sometimes with a slip, sometimes with a receipt, sometimes with a smile, and sometimes with such intimacy that a person begins to feel guilty before even reaching for his pocket. The person asking for donations ceases to be a human being, but becomes an institution. As soon as he gets a receipt, his voice exudes the authority of the Constitution and his face reflects the confidence of a Panchayat. He looks at you as if you have no money, but have an unfulfilled social duty. Every city, every town, even every village has some "donation warriors." The number of "donation warriors" depends on the population of your area.

The art of soliciting donations—although soliciting donations is an art. Experts say that the most important thing in the art of soliciting donations is to appear as if the person in front of you is not giving, but has been blessed to give. And you're saying, "Your support will elevate this noble cause to new heights."

Whenever donations are discussed, I remember Gujri Guru, the legendary "Chanda Veer" of my village, Motia. A pioneer in the art of fundraising. In his seven decades of active life, there's hardly a cause he hasn't raised funds for.

A few days ago, when the buzz around donations was all the rage, I asked him over the phone what qualities a good fundraiser should possess. Gujri Guru was delighted by the question, and just like one phrase seems to follow another in TV news these days, he began.

Gujri Guru said, "Soliciting donations is a great art. Whether you recognize me or not, as soon as you arrive, lower your eyes and offer such a Bhudani Namaskar that the other person's senses are engaged in recognizing you."

After explaining the first principle of the art of soliciting donations, Gujri Guru took a deep breath and then began, "The second important thing is that when you are speaking, the people accompanying you should keep their faces expressionless, like the characters playing side roles in village plays."

As soon as I learned the second principle, I understood why, in the tradition of Chanda Veer, Gujri Guru's name is revered in my village. But neither my curiosity had subsided, nor had Gujri Guru's words. He began again, "And the most important thing is that if the person leading the solicitation has the sharp eye to spot a bluff in a game of flush, the money will spring out of the other person's pocket, and he will feel that he has made a significant contribution to the nation's welfare, and that by accepting this contribution from him, you have done him a favor."

These insights opened my eyes to knowledge. I know that Gujri Guru's personality stands on the border of literacy and illiteracy, but the book of life has made him a guru for many extracurricular programs.

One of them is the art of soliciting donations. Actually, the tradition of soliciting donations is very old in our country.

If there was no money for a public work, people would say, "Brother, please contribute something." In this new era, the language has changed a bit: "This historic event is not possible without your support."

Gujri Guru has a different opinion on this matter: "Not everyone can collect donations. The most important thing is the art of disclosing the amount. Ask so little that the other person asks for more. This is the true success. Accomplished donors never disclose the amount. They gently remind the other person of their social standing, as if this work is sustained only by the support of people like you. Hearing such statements, people start looking at their stature, not their pockets, and they donate according to their stature." A true artist is one who asks for two thousand and gets a receipt for five thousand, and before leaving, assures the donor that he didn't just give five thousand, but saved the society's honor. The other person understands that the event is going to be historic, and his money will be recorded in history."

The most important thing about donations is that they never call themselves donations. They are cooperation, contribution, dedication, participation, public involvement. The money is the same, but its names keep changing. But Gujri Guru also advises that donations have their own morality: "Tell whoever you take donations from that it is for your event."

This is our country's most successful economic system. No one fails in it. There's a powerful formula for this: "It doesn't matter, do as much as I can." This "do as much as I can" is a very mysterious phrase.

It holds potential, from five rupees to five lakh rupees. There was a time when people collecting donations brought receipt books. Now they have mobile phones and say, "Scan the QR code."

The era of digital devotion - devotion has now gone digital. Instead of a receipt, a message appears, "Your transaction was successful." The donor realizes for the first time that they, too, have succeeded. Another major achievement of donations is that it has strengthened social ties. The person in your neighborhood who hasn't said hello to you in a year finds their way to your house during donation season. "Don't you recognize me?"

You recognize him. "Hey, you!" He smiles. You smile back. Then he pulls out the QR code on his mobile. Your devotion is scanned. Your smile dims a little. His smile widens a little. This is where society operates.

Donations have taught us another thing: to make a cause great, it's necessary to maximize its expenditure. For a large event, it's five lakh rupees. For a historical event, it's ten lakh rupees. And if the event is truly historic, asking for an account of the expenditure could be considered an interference in history. So, don't ask for an account, trust.

Donations run on trust, and where there's trust, the account automatically becomes smaller. Donations are among those institutions in our society whose usefulness is never questioned, because those who raise questions can be asked for a donation next time. However, those who collect donations also have their own politics. Whose house should be visited first, how much money can be asked from whom, who has an old account, and who might need help in the future? Calculating all these matters is crucial to the success of the donation. Donations have another benefit: they identify local leadership. The person who donates the most gets a seat at the front of the stage. The one who gives a little less gets a seat at the back. The one who doesn't give anything stands with the crowd at the event.

This system can be called a democracy, so donations are not just a means of funding an event, but also an important pretext for social life. There is a tacit agreement between the donor and the recipient. The donor knows that the money won't be entirely used for the purpose for which it was collected. The recipient knows that the donor knows this. Yet, neither makes this knowledge public. This is civilization.

In my village, this is called tradition. Gujri Guru, a shining star of this tradition, also teaches new donors: "A separate account must be created for contingencies and it must be reiterated at various places that every penny is being accounted for. There should be no need to consult the accounts."

And those who have mastered this calculation are successful artists of the art of donation. Gujri Guru reminds us that asking for donations isn't just about asking for money. This is the art of awakening the hidden guilt, social prestige and show-off within a person simultaneously, "The day you return after collecting donation from a miser and he thanks you, understand that you have learnt to ask for donation and the day the same miser changes his path after seeing you from a distance, understand that you have mastered this art.

With the increasing involvement of AI in childrearing, are we surrendering our innate wisdom to machines?

Smart cameras, baby monitors, and AI-based devices are proving helpful for parents in childcare. They record their child's sleep, wakefulness, and activities. But this also raises questions about children's privacy and parents' own understanding. Is technology increasing children's safety or gradually making parents dependent on machines to understand their child? From the moment a child is born, parents become extremely concerned about their child's safety. Today, technology has opened up many new avenues to alleviate this concern. Smart baby monitors are a prime example. Through cameras, parents can monitor their child remotely, and AI can analyze their child's sleep, wakefulness, and tossing and turning. This feature seems extremely useful at first glance, but it also poses a significant question. Is technology merely a helpful tool in childrearing, or is it gradually replacing parents' own understanding and judgment? Today, as the baby tech industry rapidly expands, this question is becoming increasingly important for Indian families. Are smart baby monitors truly making parents' lives easier? The biggest advantage of smart baby monitors is that parents can constantly monitor their baby. The camera records the baby's movements, and machine learning technology analyzes their sleep and wake patterns. This information is displayed in a report on the app the next day. Data on when the baby slept, how many times they woke, how long they slept, and how their sleep was are all displayed. This can help parents understand their baby's daily routine. This feature can be especially useful for families where parents work or cannot be with their child constantly to monitor them. The problem begins when convenience gradually becomes a necessity. If camera reports and AI information become essential for every little activity, the question remains as to how much parents will be able to trust their intuition.

मुरादाबाद में आदमखोर तेंदुए का आतंक: घर में सोते किसान को मारकर उठा ले गया, 25 दिन में चार लोगों को मार डाला

ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुओं का आतंक अब खेतों की मेड़ पार कर ग्रामीणों के घरों तक पहुंच गया है। बहापुर बलिया गांव में शुक्रवार रात खेत से सटे एक खुले मकान के आंगन में सो रहे दिव्यांग किसान जगराज सैनी (35)को तेंदुआ गर्दन से दबोचकर उठा ले गया। सुबह किसान का शव घर से कुछ दूरी पर खेत में मिला।जिस घर में यह घटना हुई वह खेत के बिल्कुल नजदीक है। उसमें खिड़की-दरवाजे भी नहीं हैं। इसी खुले रास्ते से तेंदुआ आसानी से आंगन तक पहुंच गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। इससे पहले बहापुर बलिया में 18 अगस्त को चारा लेने गईं ब्रह्मो देवी पर तेंदुए ने हमला किया था।इसके बाद 25 अगस्त को गन्ने के खेत में काम कर रहीं मिथिलेश देवी को तेंदुए ने निशाना बनाया। दोनों घटनाओं में महिलाओं की मौत हुई। मिथिलेश पर हमला उस समय हुआ जब आसपास उनके पति और ग्रामीण मौजूद थे।अब जगराज को घर के आंगन से उठाकर ले जाने की घटना ने हमलों की गंभीरता और बढ़ा

दी है। 29 अगस्त तक ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुए के हमलों से चार लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे पहले तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना गांव में खेत में चारा काट रही महिला संतोष देवी को निवाला बनाया था।वन विभाग के अनुसार ठाकुरद्वारा क्षेत्र में करीब 30 तेंदुओं की सक्रियता का अनुमान लगाया गया है और लगभग 40 गांव प्रभावित बताए गए हैं। तेंदुओं की निगरानी और रेस्क्यू के लिए पिंजरे लगाए गए हैं। थर्मल ड्रोन से भी तलाश की जा रही है। इसके बावजूद आबादी के बीच तेंदुए की मौजूदगी लगातार चुनौती बनी हुई है।पिंजरे लगे,सर्च ऑपरेशन चला फिर भी हमले नहीं थमे - वन विभाग लगातार पिंजरे लगाने और निगरानी अभियान चलाने का दावा कर रहा है। ठाकुरद्वारा में अब तक कई तेंदुओं को रेस्क्यू किए जाने की जानकारी सामने आई है। थर्मल ड्रोन से भी निगरानी की गई है।23 अगस्त को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमूरी ने मानव-तेंदुआ संघर्ष वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर रेस्क्यू अभियान की समीक्षा की थी।शनिवार तड़के ठाकुरद्वारा के बहापुर बलिया गांव में घर के आंगन में सो रहे किसान की तेंदुए के हमले से मौत की सूचना मिली है। हमारी टीम मौके पर है। सबसे ज्यादा निगरानी इसी गांव में की जा रही है। पिंजरे भी यहीं पर ज्यादा लगाए गए हैं। पीड़ित परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं, लोग भी थोड़ी जागरूकता दिखाएं तो हमले रोके जा सकेंगे। - आदर्श कुमार, मंडलीय वन संरक्षक चारपाई से गायब मिला किसान, खून के निशान देखकर घबराए परिजन-शनिवार तड़के जब जगराज के परिजनों की नींद खुली तो वह चारपाई पर नहीं थे। घर में उनके शरीर को खींचे जाने के निशान और खून के निशान दिखाई दिए। यह देखकर परिवार के लोग घबरा गए। घटना की जानकारी गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। इसके बाद लोगों ने जगराज की तलाश शुरू की। सुबह सात बजे मिला क्षत-विक्षत शव- ग्रामीणों को शनिवार सुबह करीब 7 बजे जगराज का क्षत-विक्षत शव मिला। शव मिलने की खबर के बाद गांव में शोक और भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेंदुए के लगातार हमलों से लोगों में पहले से ही डर बना हुआ था। ताजा घटना के बाद उनका आक्रोश स्थानीय प्रशासन और वन विभाग के खिलाफ और बढ़ गया है। बलिया गांव में तीन लोगों की पहले जा चुकी है जान- बलिया गांव में तेंदुए के हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले विरमो देवी और संतोष देवी समेत तीन लोगों की जान जा चुकी है। अब जगराज की मौत के बाद ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर दहशत और बढ़ गई है। लगातार हो रहे हमलों के कारण ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है और वे आदमखोर तेंदुए को पकड़ने की मांग कर रहे हैं।

तबाही में बदलीं खुशियां: रक्षाबंधन मनाकर घर लौट रहा था परिवार, अचानक टूटा पुल; नदी में समाया पूरा परिवार

हादसे के वक्त उधर से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी। दौड़कर मौके पर पहुंचे। जैसे तैसे करके अनिल ओर दो बच्चे काफिया व केशव को बाहर निकाला। जबकि किरन ओर प्रियांशु नदी में बहते पानी के साथ चले गए। यूपी के मुरादाबाद स्थित मलकद्दा पुल पर बाइक अनियंत्रित होकर गागन नदी में गिरी। पति दो बच्चों को रेस्क्यू कर निकाला गया। जबकि महिला ओर एक बच्चे की तलाश में नदी में लोकल गोताखोर ढूढ रहे हैं। सूचना पर ग्रामीणों की भारी संख्या में भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर तैनात हैं। रक्षा बंधन बनाकर

लौट रहा था परिवार- छजलैट थाना क्षेत्र के महमूदपुर निवासी अनिल मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी किरन तीन बच्चे छह वर्षीय प्रियांशु, काफिया तीन वर्ष ओर केशव दो वर्ष है। रक्षाबंधन के पर्व पर अनिल पत्नी किरन ओर बच्चों को लेकर कुंदरकी थाना क्षेत्र के नानपुर गांव गए थे। रक्षाबंधन का पर्व मनाकर शाम के समय ससुराल से वापस बाइक पर सवार होकर घर जा रहे थे। जैसे शुक्रवार की शाम साढ़े छ बजे मंझोला थाना क्षेत्र के गागन नदी स्थित मलकद्दा पुल पर शॉर्ट कट होते हुए निकल रहे थे। तभी लकड़ी के बने पुल की लकड़ी टूटी ओर बाइक अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। पूरा परिवार गागन नदी में जाकर गिर गया। मां और एक बच्चे की तलाश जारीहादसे के वक्त उधर से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी। दौड़कर मौके पर पहुंचे। जैसे तैसे करके अनिल ओर दो बच्चे काफिया व केशव को बाहर निकाला। किरन ओर प्रियांशु नदी में बहते पानी के साथ चले गए। सूचना मिलते ही मंझोला प्रभारी निरीक्षण रविंद सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी जुटाई। एएसपी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पास के गांव मलकददा के लोकल गोताखोरों को नदी में उतारा गया। वही पति अनिल का रो रोकर बुरा हाल है। किरन ओर प्रियांशु का अभी तक कुछ पता नहीं चल पा रहा है।

18 घंटे बाद गागन नदी में 100 मीटर दूर मिला मासूम का शव, रक्षाबंधन पर पुल से गिरी थी बाइक

मुरादाबाद में रक्षाबंधन मनाकर लौट रहा परिवार जर्जर पुल से गागन नदी में गिर गया। 18 घंटे बाद मासूम केशव का शव घटना स्थल से 100 मीटर दूर मिला, जबकि मां का शव पहले ही मिल गया था।

जर्जर पुल से गिरकर परिवार गागन नदी में डूबामासूम केशव का शव 18 घंटे बाद बरामद हुआ- रक्षाबंधन मनाकर लौटते समय हुआ यह दर्दनाक हादसामलकद्दा जर्जर पुल की दो लकड़ी टूटने के बाद बाइक समेत परिवार के साथ नदी में गिरा मासूम का शव 18 घंटे बाद घटनास्थल से करीब 100 मीटर की दूरी पर गोताखोरों की टीम ने तलाश लिया। जबकि महिला किरन का शव घटना के ढाई घंटे बाद मिल गया था। परिवार रक्षाबंधन बनाकर लौट रहा था। युवक अनिल और दो बच्चों को ग्रामीणों ने बचा लिया था। जबकि महिला और उसका बेटा वह गया था। 18 घंटे बाद गागन नदी में 100 मीटर दूर मिला

मासूम का शव- मोहम्मदपुर ध्यान सिंह निवासी अनिल जाटव गांव में किराना की दुकान चलाते है और राजमिस्त्री का भी काम करते हैं। शुक्रवार को वह बाइक अपनी ससुराल कुंदरकी के गांव नानपुर में पत्नी किरन, बेटे प्रियांशु, काव्या और केशव के साथ रक्षाबंधन बनाने के लिए गए थे। शाम को पति पत्नी तीनों बच्चों के साथ रक्षाबंधन बनाकर लौट रहे थे। केशव किरन की गोद में था। प्रियांशु बाइक की टंकी पर बैठा था। जबकि काव्या माता पिता के बीच में बाइक पर बैठी थी।लकड़ी के पुल की दो बल्ली टूट गई थीं शाम करीब साढ़े जब बजे परिवार मझोला क्षेत्र के गांव नदी स्थित मलकद्दा पुल पर पहुंचा तो इसी बीच लकड़ी के बने पुल की दो बल्ली टूट गई थी और पूरा परिवार बाइक समेत नदी में गिर गया था। उस वक्त वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने अनिल, प्रियांशु और काव्या को तो बचा लिया, लेकिन किरन और दो साल का बेटा केशव नदी में बह गए थे। गोताखोरों की टीम के साथ एनडीआरएफ की टीम तलाश में लग गई थी।किरन का शव ढाई घंटे बाद मिला था घटना के करीब ढाई घंटे बाद गोताखोरों की टीम ने महिला किरन का शव निकाल लिया था, लेकिन मासूम का कुछ पता नहीं चला था। शनिवार को सुबह एक बार फिर तलाश शुरू की गई। करीब 11.30 बजे घटना स्थल से 100 मीटर दूर झाड़ियों में मासूम केशव का शव मिल गया। पुलिस ने मां बेटे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यूपी में बिजली चोरी रोकने के लिए खंभों पर लगेंगे मीटर, मुरादाबाद के 100 गांव और आठ मुहल्ले चिह्नित

बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए मुरादाबाद में नई रणनीति अपनाई गई है, जिसके तहत 100 गांवों और 8 शहरी मुहल्लों में बिजली के मीटर अब घर के बजाय खंभों पर लगाए जाएंगे।बिजली चोरी रोकने को मुरादाबाद में नई रणनीति।

100 गांवों, 8 मुहल्लों में मीटर खंभों पर लगेंगे। छेड़छाड़, बाईपास से चोरी पर प्रभावी रोक लगेगी।बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए बिजली विभाग ने अब नई रणनीति तैयार की है। तमाम प्रयासों के बावजूद मीटर को बाइपास कर बिजली चोरी किए जाने के मामले सामने आने के बाद विभाग ने जिले के करीब 100 गांव और शहर के आठ मुहल्लों को चिह्नित किया है। इन क्षेत्रों में अब बिजली के मीटर घर के गेट या परिसर में लगाने के बजाय घर से दूर बिजली के खंभे पर लगाए जाएंगे। विभाग का मानना है कि इससे मीटर से छेड़छाड़ और बाइपास कर बिजली चोरी करने पर प्रभावी ढंग से रोक लग सकेगी।बिजली विभाग के

अधिकारियों के अनुसार जिले के सरकड़ा खास, बैरुआ, सरदार नगर, सत्तू नगला, भगतपुर क्षेत्र के नकटपुरी और सदर तहसील क्षेत्र के भीतखेड़ा समेत करीब 100 गांवों में बिजली चोरी के मामले अधिक सामने आते हैं। इसी तरह शहर के दौलत बाग, दीवान बाजार, तहसील स्कूल, बंगला गांव और नवाबपुरा समेत आठ मुहल्लों को भी बिजली चोरी के लिहाज से संवेदनशील माना गया है। इन सभी क्षेत्रों को विभाग ने चिह्नित कर लिया है। इन क्षेत्रों में विभाग की टीमों ने सर्वे का काम शुरू कर दिया है।कर्मचारी यह जानकारी जुटा रहे हैं कि कितने उपभोक्ताओं के यहां अभी तक स्मार्ट मीटर नहीं लगाए गए हैं। सर्वे पूरा होने के बाद चिह्नित उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इन मीटरों को घर के बजाय बिजली के खंभे पर लगाया जाएगा।

वहीं, जिन उपभोक्ताओं के घर पर पहले से स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, उन्हें भी घर से हटाकर बिजली के खंभे पर स्थानांतरित किया जाएगा। विभाग का मानना है कि घर के अंदर या गेट के पास मीटर होने पर कुछ उपभोक्ता केबल में बाइपास करके बिजली चोरी करने का प्रयास करते हैं। खंभे पर मीटर लगाने के बाद यह संभावना काफी कम हो जाएगी। यदि कोई उपभोक्ता बिजली चोरी के लिए केबल में छेड़छाड़ या बाइपास करने का प्रयास करता है तो खंभे से घर तक जाने वाली केबल दूर से ही दिखाई दे जाएगी। इससे विभागीय कर्मचारियों के लिए चोरी पकड़ना भी आसान होगा।

मुख्य अभियंता शशांक अग्रवाल ने बताया कि जिले में स्मार्ट मीटर तेजी से लग रहे हैं। जिन क्षेत्रों में बिजली चोरी है उन्हें चिह्नित कर लिया गया है। इसलिए बिजली मीटर अब घर से दूर लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाखड़ा नदी में मगरमच्छ का वीडियो वायरल, वन विभाग ने सूचना से किया इन्कार

बिलासपुर। नगर की भाखड़ा नदी में शुक्रवार दोपहर कुछ लोगों ने पानी में मगरमच्छ तैरते हुए देखने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में मगरमच्छ पानी में तैरता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, वन विभाग के रेंजर आलोक शर्मा ने इस तरह की किसी भी सूचना से इन्कार किया है।बताया जा रहा है कि लोगों ने तैरते हुए मगरमच्छ का दूर से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले आरक्षित डंडिया वन की खैरा नदी में सिरसखेड़ा गांव के लोगों ने नदी किनारे एक मगरमच्छ को बैठे हुए देखा था। इसके बाद दो दिन पहले बायीं भाखड़ा नहर में मुबारकपुर के लोगों ने भी मगरमच्छ को नहर किनारे बैठे हुए देखा था। बीते एक सप्ताह से लगातार मगरमच्छ देखे जाने की बातें ग्रामीणों द्वारा कही जा रही हैं रेंजर आलोक शर्मा ने बताया कि भाखड़ा नदी में मगरमच्छ होने की बात उनके संज्ञान में नहीं है। फिर भी मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

कान्हा गोशाला में तीन पशुओं की मौत के बाद केयरटेकर पर रिपोर्ट दर्ज

स्वार। मसवासी नगर पंचायत की कान्हा गोशाला में तीन गोवंशों की मौत के मामले में केयरटेकर के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक अमित चंद्रा की तहरीर पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। नगर पंचायत मसवासी के वरिष्ठ लिपिक अमित चंद्रा ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नगर पंचायत मसवासी की कान्हा गोशाला ग्राम खौद कला में मुरादाबाद रोड पर स्थित है। यहां गोवंशों की देखरेख और साफ-सफाई के लिए 10 केयरटेकर तैनात हैं।आरोप है कि 22 अगस्त की रात दो मादा गोवंश आपस में लड़ गईं। ड्यूटी पर तैनात केयरटेकर विशाल व अन्य कर्मचारियों ने समय रहते दोनों गोवंशों को अलग नहीं कराया। लड़ाई में दोनों गंभीर घायल हो गईं और इनमें से एक गंभीर रूप से घायल होकर पैरालिसिस की स्थिति में पहुंच गई। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि गंभीर रूप से घायल मादा गोवंश की 24 अगस्त की रात मौत हो गई।इसके अलावा करीब छह-सात माह उम्र के दो बछड़ों को अधिक मात्रा में हरा चारा डाल दिया गया। अधिक चारा खाने से पेट फूलने के कारण दोनों बछड़ों की भी मौत हो गई। इस तरह 24 अगस्त को गोशाला में तीन गोवंशों की मौत होने का आरोप लगाया गया है।सीओ सोनम सिंह ने बताया कि नगर पंचायत के लिपिक की तहरीर के आधार पर केयरटेकर के खिलाफ गोवंशों के प्रति लापरवाही बरतने और क्रूरता की धाराओं के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चलती बस का पहिया खुला, क्लीनर की सतर्कता से बचा हादसा

सैफनी। रक्षाबंधन के पर्व पर यात्रियों से खचाखच भरी प्राइवेट बस शुक्रवार शाम शाहबाद-बिलारी मार्ग पर बड़ा हादसा होने से बाल-बाल बच गई। बस के पिछले पहिये के नट अचानक ढीले होकर खुलने लगे। पहिये से असामान्य आवाज आने पर क्लीनर की नजर पड़ी और उसने तत्काल चालक को बस रोकने के लिए कहा। समय रहते बस रुक जाने से उसमें सवार सभी यात्रियों की जान बच गई। शुक्रवार शाम करीब पांच बजे प्राइवेट बस बिलारी से शाहबाद की ओर जा रही थी। रक्षाबंधन के चलते बस यात्रियों से पूरी तरह भरी हुई थी। बस सैफनी क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी पिछले हिस्से से तेज आवाज आने लगी और बस के अनियंत्रित होने का एहसास हुआ। खतरा भांपते हुए क्लीनर ने चालक को बस रोकने के लिए आवाज लगाई। चालक ने तुरंत सड़क किनारे बस रोक दी।जांच करने पर पिछले पहिये के कई नट काफी ढीले मिले और पहिया खुलने की स्थिति में पहुंच गया था। यह देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। समय रहते बस रुक जाने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली। बाद में पहिये के नट दोबारा कसकर बस को ठीक किया गया। इसके बाद बस को गंतव्य की ओर रवाना किया गया।बिलारी से शाहबाद जा रहे फैजान व सतीश ने बताया कि नट खुल गए थे, लेकिन क्लीनर की नजर पड़ गई और उसने बस रुकवा दी। तब जाकर हादसा टला।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बीबीएल स्कूल में बैडमिंटन का महासंग्राम शुरू , के.के. अग्रवाल कप -2026 का शानदार आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बीबीएल पब्लिक स्कूल, पीलीभीत रोड में शनिवार को द्वितीय श्री के.के. अग्रवाल इंटर-स्कूल बैडमिंटन टूर्नामेंट श्री के.के. अग्रवाल कप-2026 का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच भव्य शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधक राघव कृष्ण अग्रवाल ने प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। प्रधानाचार्य सर्वेश शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अलग-अलग आयु वर्गों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। पहले दिन खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। आयोजन को लेकर विद्यार्थियों और खेलप्रेमियों में खासा उत्साह नजर आया।

रक्षाबंधन की रात में भाजपा नेता की चाकुओं से गोदकर हत्या

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। रक्षाबंधन की रात सुभाषनगर थाना क्षेत्र के मढ़ीनाथ स्थित मांझे वाली बगिया में भाजपा नेता सचिन कश्यप की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सचिन कश्यप भाजपा मढ़ीनाथ मंडल के ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष बताए जा रहे हैं। त्योहार के दिन हुई हत्या से परिवार में कोहराम मच गया।

पैसों के लेनदेन को लेकर चल रहा था विवाद- बताया जा रहा है कि सचिन कश्यप का कुछ लोगों से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। करीब एक माह पहले भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी। उस समय स्थानीय लोगों और परिचितों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था। इसके बावजूद दोनों पक्षों के बीच विवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था। पुलिस प्रथम दृष्टया हत्या के पीछे पैसों के विवाद और पुरानी रंजिश समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

बताते रक्षाबंधन की रात सचिन मढ़ीनाथ की मांझे वाली बगिया के पास मौजूद थे। इसी दौरान वहां पहुंचे कुछ लोगों से उनकी बातचीत होने लगी। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। आरोप है कि हमलावरों ने सचिन को घेर लिया और धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सचिन जमीन पर गिर पड़े। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

परिवार में मचा कोहराम- घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। सचिन की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। रक्षाबंधन के पर्व पर जहां घरों में भाई-बहन के स्नेह और उत्सव का माहौल था, वहीं सचिन के परिवार में चीख-पुकार मच गई।

सूचना मिलने पर सुभाषनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना में शामिल आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। सीओ नितिन कुमार ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पुरानी रंजिश, पैसों के विवाद और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

सरकारी स्कूलों में नो बैग डे का उत्साह: प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर नवीन में बच्चों ने तैयार किया किचन गार्डन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों के समग्र विकास के लिए नो बैग डे (बिना बस्ता, सीखें अनुभव के आधार पर) पहल की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर नवीन, गुजर गौंटिया में शनिवार को विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ किचन गार्डन तैयार किया। प्रधानाचार्य कृष्ण अवतार सक्सेना ने बताया कि शासन के निर्देशों के तहत यह व्यवस्था लागू की गई है। अगस्त 2026 से नवंबर 2026 तक निर्धारित दस बैगलेस डे के दौरान बच्चों को पढ़ाई के तनाव से मुक्त रखकर विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक, रचनात्मक और सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

शनिवार को आयोजित इस गतिविधि के दौरान छात्र-छात्राओं ने पूरे आनंद और मस्ती के साथ मिट्टी तैयार की, पौधे लगाए और किचन गार्डन के रख-रखाव के गुर सीखे। बच्चों की इस सक्रिय भागीदारी से परिसर का माहौल खुशनुमा बना रहा।

बेसिक शिक्षा विभाग की इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों में व्यावहारिक ज्ञान, श्रम के प्रति सम्मान और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि आगामी दिनों में भी इसी तरह की विभिन्न मनोरंजक और व्यावहारिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान शिक्षक बहोरन लाल,सुरेजेश कुमार सागर,नीतू गुप्ता आदि स्टाफ मौजूद रहा।

GIS का शिकंजा : अवैध निर्माण पर अब होगी ड्रोन-सैटेलाइट की नजर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। अवैध निर्माण पर लगाम कसने के लिए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) GIS और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित निगरानी प्रणाली शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले एक जोन में इसकी शुरुआत होगी। प्रस्तावित व्यवस्था में स्वीकृत भवन मानचित्र को GIS पर जियो-टैग कर उसका 3डी मॉडल तैयार किया जाएगा। ड्रोन सर्वे और सैटेलाइट तस्वीरों से वास्तविक निर्माण की जानकारी लेकर AI के जरिए स्वीकृत नक्शे से डिजिटल मिलान किया जाएगा। बिना मानचित्र या स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण मिलने पर संबंधित स्थल को 'रेड फ्लैग' किया जाएगा और जोनल अधिकारी को सूचना देकर स्थलीय सत्यापन व नियमानुसार कार्रवाई कराई जाएगी। बीडीए उपाध्यक्ष सुश्री सौम्या पांडे, आईएएस ने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से अवैध निर्माण पर कार्रवाई अधिक तेज, पारदर्शी और प्रभावी होगी। शनिवार को तकनीकी टीम ने सिस्टम का प्रस्तुतिकरण किया, जिसके बाद पायलट प्रोजेक्ट का सॉफ्टवेयर विकास जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए।

नवोदय अस्पताल में लगी आग, मरीजों को सुरक्षित निकाला

मची अफरा-तफरी; मिनी बाईपास पर लगा जाम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के मिनी बाईपास रोड स्थित कर्मचारी नगर में शनिवार को नवोदय अस्पताल की चौथी मंजिल पर आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

आग और धुआं दिखाई देने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल सतर्कता बरतते हुए मरीजों और तीमारदारों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों को कर्मचारियों की मदद से सुरक्षित बाहर लाया गया। गंभीर मरीजों को भी अस्पताल स्टाफ ने प्राथमिकता के साथ सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर मरीजों और तीमारदारों की भीड़ जमा हो गई।

बताया जा रहा है कि अस्पताल की चौथी मंजिल पर अचानक आग और धुआं दिखाई दिया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल कर्मचारियों ने तत्काल मोर्चा संभाल लिया। आग फैलने की आशंका को देखते हुए अस्पताल को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालने के दौरान अस्पताल परिसर में कुछ देर के लिए भगदड़ जैसे हालात बने रहे।

घटना के बाद अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोगों और वाहनों के जुटने से मिनी बाईपास रोड पर यातायात प्रभावित हो गया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगने से जाम की स्थिति बन गई।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से समय रहते मरीजों और अन्य लोगों को बाहर निकालने के प्रयास किए गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग से कितना नुकसान हुआ है और घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं, इसकी स्थिति जांच के बाद स्पष्ट होगी।

फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक तौर पर एसी में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है। घटना के बाद अस्पतालों में अग्निशमन सुरक्षा और आपातकालीन निकासी व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

राजमिस्त्री के दो बच्चों की जयपुर के एक गड्ढे में डूबकर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली के परिवार के साथ राजस्थान के जयपुर में बड़ा हादसा हो गया। राजमिस्त्री लियाकत हुसैन के दो बच्चे आलिया (9 वर्ष) और मुहम्मद अयान (5 वर्ष) की एक गड्ढे में डूबकर मौत हो गई। शुक्रवार को दोनों के जनाजे लेकर माता-पिता अपने पैतृक गांव पहुंचे। गमगीन माहौल में दोनों बच्चों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

बरेली के हाफिजगंज थाना क्षेत्र के लाड़पुर उस्मानपुर गांव के रहने वाले लियाकत हुसैन पेशे से राजमिस्त्री हैं। वह राजस्थान में काम कर रहे थे। परिवार को भी राजस्थान लेकर आए। उनकी पत्नी रजिया, दो बच्चे-मुहम्मद अयान और आलिया शामिल हैं।

लियाकत हुसैन जयपुर के जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र के मानपुर सड़वा में काम कर रहे थे। यहां की रसीद विहार कॉलोनी में एक मकान निर्माण गहरा गड्ढा खोदा गया था। बुधवार तेज बारिश से गड्ढे में करीब 5 फीट तक पानी भर गया।

गुरुवार को लियाकत हुसैन के दोनों बच्चे खेलते हुए इसी गड्ढे तक पहुंच गए। इसमें डूबकर दोनों की मौत हो गई। इस बीच लियाकत और उनकी पत्नी अंजान रहीं। बाद में जब बच्चों का कोई सुराग नहीं लगा तो उनकी खोजबीन शुरू हुई। दोनों गड्ढे में बरामद हुए। परिजन दोनों को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने आलिया और अयान को मृत घोषित कर दिया।

बच्चों की मौत पर लियाकत और उनकी पत्नी टूट गए। शुक्रवार को उनके जनाजे लेकर गांव पहुंचे तो यहां सैकड़ों की संख्या में लोग उन्हें देखने पहुंचें। पहले भी उनके एक बच्चे की मौत हो चुकी है। आलिया जयपुर के एक निजी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ती थीं, जबकि अयान पहली कक्षा में थे।

डी फार्मा छात्र की संदिग्ध हालात में मौत पीएचसी में मिला शव

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव इटौरिया में शुक्रवार को संदिग्ध हालात में लालू नाम के डी फार्मा छात्र की मौत हो गई। उसका शव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) परिसर में मिला। मृतक के परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। इधर, पोस्टमॉर्टम में हैंगिंग (लटकने) से मौत की पुष्टि हुई है। लालू तीन भाई-बहन में सबसे छोटा था।

स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए, लालू के पिता उमेश ने जमीन दान में दी थी। इस कारण लालू अक्सर स्वास्थ्य केंद्र में ही रुक जाता था। मृतक के चाचा मुकेश का कहना है उनके भतीजे को गांव के ही कुछ लोगों ने मारकर शव अस्पताल में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात 11 बजे तक लालू उनके साथ खेत पर फसल की रखवाली कर रहा था। उसके बाद वह लापता हो गया। उन्होंने समझा कि घर चला गया होगा।

अस्पताल परिसर में मिला शव -बीते दिवस सुबह जब लालू के बड़े भाई वीरेंद्र का बेटा अस्पताल में गया तो वहां लालू का शव पड़ा हुआ था। उसने घर आकर बताया तो परिजन अस्पताल से शव उठाकर लाए। लालू डी फार्मा द्वितीय वर्ष का छात्र था। मुकेश भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष हैं। सूचना मिलने पर एमएलसी महाराज सिंह ने भी गांव पहुंचकर मृतक के परिजनों से बात की।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में गौवंशीय पशुओं की मौत, विरोध में सड़क पर उतरे हिंदू संगठन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कान्हा उपवन में गौवंशीय पशुओं की कथित रूप से मौत पर हंगामा खड़ा हो गया। हिंदू संगठनों के साथ स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। कान्हा उपवन के बाहर विरोध दर्ज कराया। हिंदू संगठन अधिकारियों को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़े हैं। हालात को देखते हुए यहां पुलिस बल पहुंच गया है। आक्रोशित भीड़ विरोध दर्ज करा रही है। घटनाक्रम सीबीगंज थाना क्षेत्र का है। यहां कान्हा उपवन के नाम से सरकारी गौशाला है। हिंदू संगठनों का आरोप है कि गौशाला में गौवंशीय पशुओं के रख-रखाव में घोर लापरवाही बरती जा रही है। इस कारण कई गायों की मौत हो चुकी है। घटनास्थल पर जमा भीड़ ने गौशाला से जुड़े कर्मचारियों को भी बाहर रोक दिया है। सनद रहे कि इससे पहले भी बरेली की गौशालाओं में कथित रूप से अव्यवस्थाओं और गौवंशीय पशुओं की मौत पर बड़े विरोध की घटनाएं सामने आती रही हैं।

मजदूर की संदिग्ध मौत पर गरमाया माहौल, गांव पहुंचे ठेकेदार और परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। गांव कुरतरा के युवक दिल्ली में संदिग्ध हालत में मौत हो गई।सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।शनिवार को शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया।पत्नी समेत सभी परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने परिजनों से पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही करने को कहा है। जानकारी के मुताबिक स्थानीय थाना के गांव कुरतरा निवासी धर्मवीर उर्फ कछू गंगवार(40) स्थानीय कस्बा के एक ठेकेदार के पास दिल्ली में राज्य मिस्त्री का काम करते थे।सोमवार को कावड़ चढ़ाने के बाद वह मंगलवार को दिल्ली मजदूरी करने ठेकेदार की साइड पर चले गए थे।बृहस्पतिवार को वह निर्माणाधीन बिल्डिंग के छत पर अन्य मजदूरों के साथ थे।सुबह शुक्रवार को उनका शव मुँह के बल पड़ोस की छत पर पढ़ा मिला था।अन्य मजदूरों ने ठेकदार को सूचना दी। ठेकेदार की सूचना पर पहुंची दिल्ली के थाना मोतीनगर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।शनिवार को परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया।मृतक के भाई तुलसी गंगवार ने ठेकेदार समेत अज्ञात लोगों में हत्या करके छत पर फेंकने का आरोप लगाया है।हालांकि परिजनों ने पुलिस को तहरीर नहीं दी है।इसको लेकर शनिवार को गांव पहुंचे ठेकेदार और परिजनों के बीच काफी गर्मा गर्मी भी हुई है।दिल्ली पुलिस ने परिजनों से पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही करने की बात कही है।तुलसी गंगवार ने बताया वह दसवां संस्कार के बाद दिल्ली जाकर ठेकेदार और अज्ञात लोगों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे।हालांकि सूत्रों की मानें तो ठेकेदार और परिजनों के बीच समझौता भी हुआ है।

आसमान से बरसी आफत: दो दिन की झमाझम बारिश से हाहाकार, कच्चे मकान धराशायी; घरों में घुसा पानी

नरवल क्षेत्र में बीते दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने ग्रामीण क्षेत्रों में आफत खड़ी कर दी है। शुक्रवार और शनिवार की बारिश से पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया है। जलभराव के चलते लोग घरों से निकल तक नहीं पा रहे हैं। कच्चे मकान गिरने की कगार पर हैं और कई जगह दीवारें भरभराकर गिर रही हैं, जिससे जनहानि का खतरा मंडरा रहा है। पुरवामीर गांव में पुत्तन रावत का पूरा कच्चा मकान भरभराकर गिर गया। इस मकान में तीन भाइयों का परिवार रहता है - सबसे बड़े पुत्तन रावत (70 वर्ष), राजन रावत (44 वर्ष) और भाई अशोक रावत। साथ में अविवाहित बहन विभा रावत भी रहती हैं। पूरा मकान जर्जर था, तीन तरफ की दीवारें पहले से ही कमजोर थीं। हादसे के वक्त ग्रामीणों ने मुश्किल से परिवार को बाहर निकाला, लेकिन गृहस्थी का सारा सामान मलबे में दबा हुआ है इसी तरह सिकटिया गांव में हरिश्चंद्र पासवान के घर की दीवार गिर गई, जिसमें परिवार बाल-बाल बच गया। कई घरों में पानी घुसने से लोग पड़ोसियों के यहां शरण लिए हुए हैं। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद ग्रामीणों में दहशत है। अगर रात में तेज बारिश हुई तो जनहानि हो सकती है। राजस्व विभाग ने अपील की है कि कच्चे मकानों में रहने वाले लोग सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर चले जाएं। यदि जलभराव की स्थिति दिखे तो तत्काल सुरक्षित जगह पर बसेरा बनाएं।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत: बदायूं के दातागंज थाने का वीडियो वायरल, बेसुध राजेश को झकझोरते दिखा सिपाही

बदायूं के दातागंज कोतवाली में शुक्रवार को हिरासत में लिए गए युवक राजेश की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। पोस्टमॉर्टम में मौत का कारण हृदयाघात आया। थाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें एक सिपाही युवक को झकझोरते दिख रहा है। पुलिस ने अब दूसरे पक्ष के पांच लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। बदायूं के दातागंत कोतवाली में युवक राजेश की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हृदयाघात बताई गई, लेकिन जिस तरह से घटनाक्रम छिपाया। उससे पुलिस पर ही सवाल उठ रहे हैं। कोतवाली के अंदर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक सिपाही बेहोश राजेश को टी-शर्ट पकड़कर जोर से झकझोरते नजर आ रहा है। एक होमगार्ड बोतल से राजेश के चेहरे पर पानी मारते दिख रहा है। पुलिस के अमानवीय चेहरे के पीछे घटनाक्रम को छिपाने की साजिश साफ नजर आ रही है। वहीं, अब पुलिस ने दूसरे पक्ष के पांच लोगों पर हत्या सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। इसमें राजेश के तीन सगे ममेरे भाई भी शामिल हैं। दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव अटसेना में भंडारे के दौरान हुए झगड़े के बाद पुलिस ने गांव निवासी राजेश (28 वर्ष) को पकड़ा था। शांति भंग की कार्रवाई कर राजेश को हवालात में बंद कर दिया था, जहां उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। इस घटनाक्रम से जुड़ा दातागंज थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे का वीडियो सामने आया है। जिसमें एक सिपाही और होमगार्ड राजेश को हवालात गेट पर बोतल से पानी पिलाते लाते नजर आ रहे हैं। हवालात के गेट पर सिपाही राजेश को उसकी टी-शर्ट पकड़कर झकझोरते साफ नजर आ रहा है।शरीर में नहीं दिखी थी कोई हलचल - झकझोरने के दौरान उसे रोकने के लिए पैर से टिकाते हुए भी दिख रहा है। उसी दौरान होमगार्ड बोतल से पानी राजेश के मुंह पर मारते नजर आ रहा है। इसके बाद राजेश को दोनों छोड़ देते हैं। राजेश फर्श पर लुढ़क आता है, उस समय उसकी शरीर में कोई हलचल नजर नहीं आ रही थी। दोनों अन्य पुलिसकर्मियों को बुलाने चले जाते हैं। कुछ देर बाद होमगार्ड फिर आता है। उसके चेहरे की तरफ गौर से देखता है और कपड़े चेक करता है। कुछ सेकंड के बाद होमगार्ड फिर चला जाता है। कुछ देर बाद दरोगा, सिपाही व होमगार्ड के साथ एक अन्य व्यक्ति वहां आता है और राजेश की अंगोछे से हवा करता नजर आ रहा है। अंगोछे को हिला हिलाकर हवा करता है। हवा करने वाले व्यक्ति के चेहरे के भाव से लग रहा है कि वह कुछ कह रहा है, उसके चेहरे पर चिंता साफ नजर आ रही है। वायरल वीडियो 4.17 मिनट है। इस वीडियो के सामने आने के बाद चर्चा होने लगी है कि राजेश के साथ हवालात में कुछ तो हुआ है था, तभी उसकी अचानक इतनी तबीयत बिगड़ गई कि उसका शरीर एक साथ ढीला हो गया था।हत्या का केस दर्ज करने पर उठे पुलिस की मंशा पर सवाल - इस मामले में वीडियो वायरल ने जहां पुलिस का अमानवीय चेहरा सामने आया है, वहीं शुक्रवार की रात तक पुलिस राजेश की मौत हृदयघात से बता रही थी लेकिन अब पुलिस ने राजेश की मौत के मामले में दूसरे पक्ष के लोगों पर हत्या सहित कई अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। जब राजेश की मौत हृदयगति रुकने से हुई है तो पुलिस ने दूसरे पक्ष पर संगीन अपराध में केस दर्ज क्यों किया, इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। इनके खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में दर्ज किया केस

दातागंज पुलिस ने राजेश के भाई हृदेयश की तहरीर पर प्रमोद , अजीत, रघुवीर, धर्मवीर, पप्पू के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने भंडारे में गाना बजाने को लेकर हृदेयश और उसके भाई राजेश के साथ गालीगलौज करते हुए जान से मारने की नियत से मारपीट की, जिससे हृदेयश को खुली चोटें और उसके भाई राजेश को गुम चोटें आईं। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और इसके बाद राजेश की मौत हो गई। अंत्येष्टि स्थल पर ढाई घंटे तक चला हंगामा- अटसेना गांव के पास ही अंत्येष्टि स्थल है। परिवार के लोग राजेश के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए श्मशान घाट पहुंचे, तभी राजेश की ससुराल से उसके साले सहित अन्य लोग वहां पहुंच गए और राजेश की मौत पुलिस कस्टडी में होने का आरोप लगाते हुए आठ लाख रुपये पीड़ित परिवार को दिलाने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। यह बात पुलिस अफसरों को मालूम हुई तो खलबली मच गई। दातागंज इंस्पेक्टर ने किसी तरह पीड़ित परिवार को मनाने की कोशिश की लेकिन परिजन नहीं माने। इसके बाद ग्रामीण भी परिवार के साथ बोलने लगे। मामला बिगड़ता देख कुछ ऐसे लोगों को पुलिस ने बुलाया जो पीड़ित परिवार को समझा सकें। करीब ढाई घंटे के बाद आक्रोशित परिजनों को मुआवजा देने की बात पर सहमति बनी लेकिन यह सभी बातें गोपनीय रखी गईं। चर्चा यहां तक हो रही है कि पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये पहुंचा दिया गया है।एसएसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि दातागंज थाने में युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमॉर्टम कराया। वीडियोग्राफी भी कराई गई। पोस्टमॉर्टम में मौत का कारण हृदयाघात आया है। मृतक के शरीर पर कोई जाहिरा चोट के निशान नहीं है। पूरे प्रकरण में किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा युवक से अभद्रता या मारपीट का तथ्य सामने नहीं आया है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

अब इंसानों की जगह रोबोट और मशीनों से होगी सीवर की सफाई, 1 अक्तूबर से बदलेगी शहर की तस्वीर

अब अलीगढ़ शहर में जान जोखिम में डालकर इंसानों द्वारा सीवर साफ करने का दौर खत्म होने जा रहा है और इसकी कमान संभालेंगी हाई-टेक मैकेनाइज्ड मशीनें और रोबोट।सीवर ओवरफ्लो, सड़कों पर गंदा पानी और मैनहोल चोक होने की पुरानी समस्याओं से अलीगढ़ वासियों को जल्द ही हमेशा के लिए राहत मिलने वाली है। नगर निगम ने सीवर सफाई को पूरी तरह से सुरक्षित और आधुनिक बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब शहर में जान जोखिम में डालकर इंसानों द्वारा सीवर साफ करने का दौर खत्म होने जा रहा है और इसकी कमान संभालेंगी हाई-टेक मैकेनाइज्ड मशीनें और रोबोट। महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की विशेष पहल पर 1 अक्तूबर से शहर की सीवर सफाई व्यवस्था पूरी तरह से मैकेनाइज्ड होने जा रही है। महापौर प्रशांत सिंघल ने बताया कि इस तकनीक से शहरवासियों को सीवर ओवरफ्लो की समस्या से बड़ी निजात मिलेगी। वहीं, नगर आयुक्त ने जलकल के प्रभारी महाप्रबंधक अजय कुमार सक्सेना को निर्देश दिए हैं कि निगम के पास पहले से मौजूद 2 सीवर क्लीनिंग मशीनों को तुरंत चालू कराया जाए। इन्हें ट्रैक्टर-माउंटेड रूप में मॉडिफाई कर आगामी 2 साल के लिए एजेंसी के माध्यम से संचालित किया जाए। आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मशीनें खरीदने का प्रस्ताव जल्द तैयार कर प्रस्तुत किया जाए।जयंगज में हुआ ट्रायल- इस योजना की शुरुआत जमीनी स्तर पर परखने के लिए महापौर और नगर आयुक्त ने खुद जयंगज क्षेत्र पहुंचकर ट्रैक्टर-माउंटेड सीवर मैनहोल क्लीनिंग मशीन का लाइव ट्रायल लिया। कंपनी के इंजीनियरों ने डेमो देकर समझाया कि कैसे यह मशीन शहर की तंग और संकरी गलियों में भी आसानी से घुसकर बंद मैनहोल को मिनटों में साफ कर सकती है।अलीगढ़ की भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस मशीन को पूरी तरह मुफीद पाया गया है, जिसके बाद इसे पूरे शहर में लागू करने का निर्णय लिया गयाकवरेज- शहर की लगभग 107 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन और इसके 1200 मैनहोल अब इन मशीनों के जरिए साफ किए जाएंगे। रफ्तार और क्षमता- मशीन एक दिन में 15 से 20 मैनहोल की सफाई आसानी से कर सकती है। (तुलना करें तो मैनुअल लेबर से एक दिन में केवल 5 से 7 मैनहोल ही साफ हो पाते थे)। शून्य जोखिम - किसी भी सफाई कर्मचारी को जहरीले सीवर मैनहोल के अंदर उतरने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। हाई-टेक फीचर्स और सुरक्षा कवच- नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि यह रोबोटिक मशीन आधुनिक तकनीक से लैस है और इसके कई सुरक्षा लाभ हैंः गैस लीक अलर्ट-सीवर लाइन के भीतर मौजूद खतरनाक गैसों जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, मीथेन और अमोनिया के रिसाव का सटीक अलर्ट मशीन के मॉनिटर पर तुरंत डिस्प्ले हो जाएगा। समय और श्रम की बचत- कम समय में अधिक से अधिक सफाई संभव होगी, जिससे मैनपावर की भी बचत होगी और शहर में जलभराव की समस्या का भी स्थायी अंत होगा।

पहले प्रेमी की मिली लाश, फिर शादीशुदा प्रेमिका ने दे दी जान; रिश्तों की उलझन में उलझा पूरा मामला

सीतापुर में पहले प्रेमी की लाश मिली, फिर कुछ ही घंटों में शादीशुदा प्रेमिका ने जान दे दी। पूरा मामला रिश्तों की उलझन में उलझा है।यूपी के सीतापुर में प्रेम-प्रसंग से जुड़ा एक बेहद दुखद मामला सामने आया है। यहां 12 घंटे के भीतर युवक और शादीशुदा महिला की मौत से गांव में सनसनी फैल गई। दोनों के बीच करीबी संबंध थे। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटना पिसावां क्षेत्र के ढखिया कला गांव की है। बताया गया कि गांव निवासी गोधन का पुत्र मंजेश (20) शुक्रवार देर शाम अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला। पिता गोधन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए।इसी बीच शनिवार सुबह गांव से दूसरी घटना की सूचना मिली। इंद्रपाल की पत्नी रिंकी (37) ने अपनी जान दे दी। पति ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि मंजेश और पिंकी के बीच नजदीकी संबंध थे। महिला कुछ समय मंजेश के साथ रहने के बाद हाल ही में अपने पहले पति के पास लौट आई थी। इसके बाद दोनों घटनाएं सामने आई हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।थानाध्यक्ष प्रभात का कहना है कि दोनों मामलों की अलग-अलग परिस्थितियों में जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

हाथरस हादसा: सड़क पर पड़ी मिट्टी, अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, राखी बांधकर लौट रही महिला हुई गंभीर घायल

कृष्णा देवी रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के बाद आगरा में अपने मायके से भाई सचिन के साथ बाइक से ससुराल गिजरौला लौट रही थीं। कुरसंडा मोड़ के पास सड़क पर पड़ी गिट्टी पर मोटरसाइकिल का पहिया आ जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई।हाथरस में सादाबाद-आगरा मार्ग स्थित कुरसंडा मोड़ के पास शुक्रवार की शाम को सड़क पर पड़ी गिट्टी से एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे भाई को राखी बांधकर लौट रही बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्राम पंचायत कजरौठी के गांव गिजरौला निवासी कृष्णा देवी रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के बाद आगरा में अपने मायके से भाई सचिन के साथ बाइक से ससुराल गिजरौला लौट रही थीं। कुरसंडा मोड़ के पास सड़क पर पड़ी गिट्टी पर मोटरसाइकिल का पहिया आ जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई। झटका लगने के बाद कृष्णा देवी सड़क पर गिर गईं। हादसे में उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।पीछे से आ रही डायल 112 पुलिस टीम की नजर घायल महिला पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने तत्काल वाहन रोककर घायल महिला की मदद की। सिर से काफी खून बहते देख पुलिसकर्मियों ने साफी से उनके सिर को बांधा। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। परिजन उन्हें आगरा के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका आईसीयू में उपचार चल रहा है। घायल महिला के पति वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी के सिर में गंभीर चोट है और उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है।

अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और उनके भाई ने पुलिस के सामने दर्ज कराए बयान, बोले- अभी सात नाम, आगे और भी आएंगे

फिल्म अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह पैतृक संपत्ति विवाद में थाना रोरावर पुलिस ने इस मामले में गायत्री देवी, जय सिंह और अंजनी सिंह सहित कुल सात नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।पैतृक संपत्ति के एक मामले में फिल्म अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और उनके भाई अभिमन्यु सिंह ने पुलिस जांच अधिकारी के समक्ष पेश होकर अपने बयान दर्ज कराए हैं। यह पूरा मामला करोड़ों रुपए की पुरानी हवेली और पुश्तैनी जायदाद पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा हुआ है। अभिमन्यु सिंह की शिकायत के अनुसार, उनकी चाची समेत सात लोगों पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में केस दर्ज कराया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि उनके दादा हरेंद्र पाल सिंह की मृत्यु से ठीक एक दिन पहले एक फर्जी वसीयत तैयार की गई थी, जिसके आधार पर इस पूरी संपत्ति को हड़पने और बेचने की साजिश रची गई। आरोप है कि वसीयत तैयार किए जाने के वक्त उनके दादा गंभीर रूप से बीमार थे और बिस्तर पर थे।थाना रोरावर पुलिस ने इस मामले में गायत्री देवी, जय सिंह और अंजनी सिंह सहित कुल सात नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। सीओ संजीव कुमार का कहना है कि पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है और निष्पक्ष जांच के तहत जल्द ही अन्य पक्षों और गवाहों के भी बयान लिए जाएंगे।अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने बताया कि अभी सात लोगों के नाम दिए हैं, अभी और भी नाम आएंगे। यह फ्रॉड और फोरजरी का केस है। मेरे दादाजी स्वर्गीय हरेंद्र पाल सिंह अलीगढ़ में बीमार थे, वह वसीयत बनाने की हालत में नहीं थे। उस समय बुआ गवाह थीं इस बात की। दादाजी के जाने के बाद चाचा और चाची ने मिलकर एक वसीयत बनाई, जिसमें फोरजरी है। जिसमें सात लोगों के नाम भी हैं जो गवार भी हैं और शामिल भी हैं, जिन्होंने जमीन बेची हैं, जो कि परिवार की जमीन थी। अवैध वसीयत बनाकर बेचे। 30 साल तक उनका पालन-पोषण इसी जमीन ने किया। वसीयत बनाने के लायक नहीं थे, उस समय चाचा-चाची ने अवैध वसीयत बनाई। चंद्र चूढ़ सिंह और उनके छोटे भाई अभिमन्यु सिंह आज अलीगढ़ आकर के फर्जीबाड़े के सबूत हमने बयान के माध्यम से थाने में पेश किए हैं।

चित्रकूट जाने वाले यात्रियों को राहत, अब सेंट्रल से मिलेगी 24 कोच की इंटरसिटी

चित्रकूट धाम जाने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या और कानपुर-प्रतापगढ़ रेलखंड पर बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सेंट्रल और मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस का विलय कर दिया गया है। ट्रेन का संचालन शुरू होगा। रेलवे के इस फैसल से ट्रेन की यात्री क्षमता पहले के मुकाबले दोगुनी हो जाएगी। अहम बात यह है कि अब प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली और लखनऊ क्षेत्र के यात्रियों को चित्रकूट धाम के लिए सीधी ट्रेन मिल सकेगी। उन्हें कानपुर सेंट्रल पर ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे ने 14109/14110 चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस और 14123/14124 मां बेल्हा देवी धाम प्रातपगढ़-कानपुर सेंट्रल का विलय कर मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-चित्रकूटधाम कर्वी एक्सप्रेस चलाने की मंजूरी दी है।

ऑटो चलाते थे पिता, डेढ़ साल में बेटा बना करोड़पति: जालसाजों का आर्थिक साम्राज्य देख पुलिस भी हैरान

झांसी में साइबर फ्रॉड की रकम को निकालकर उसे यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में बदलने वाले गिरोह का प्रेमनगर पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए शुक्रवार को छह जालसाज गिरफ्तार कर लिए, जबकि तीन आरोपी अभी वांछित हैं। छानबीन में मालूम चला कि 56 बैंक खातों में साइबर ठगी करके करीब 403 करोड़ रुपये जमा कराए गए। इनमें झांसी में ही 35 बैंक खाते पाए गए, इनका संचालन गिरफ्तार आरोपी कर रहे थे।झांसी में साइबर ठगी करने वाले गिरोह के भंडाफोड़ के बाद इसमें शामिल आरोपियों के आर्थिक साम्राज्य को देख पुलिस अफसर भी हैरान रह गए। पूछताछ में मालूम चला कि गिरोह के मास्टरमाइंड अरमान करोड़ों रुपये का मालिक है, जबकि पिछले साल तक उसके पिता ऑटो चलाते थे।

एक साल पहले वह गढिया फाटक में एक छोटे मकान में परिवार के साथ रहता था। साइबर जालसाजों के संपर्क में आने के बाद से उसके रहन-सहन में तेजी से बदलाव आया। कुछ महीनों में प्रेमनगर इलाके में दो फ्लैट ले लिए। झांसी के पॉश इलाके में भी घर खरीद लिया।अब वह लग्जरी कार से चलता है। अदनाम अपना गेमिंग पैनल भी चलाता था, इसकी आड़ में वह म्यूल खाते लेता था। पुलिस को उसके कई सारे बैंक खातों को खंगालने पर अरमान के पास ही करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली।पुलिस का कहना है कि पिछले महीने ही हर तीन दिन में उसके खाते में 6.75 लाख रुपये क्रेडिट हो रहे थे। अरमान ने ही गिरोह में सत्यम, अदनाम, आदिल, जान पाल, अभिषेक और अर्चित को जोड़ा। इसमें इनमें सबके काम बंटे हुए थे। सत्यम उसका सबसे करीबी था। उसके जिम्मे ही अंतिम तौर पर डेबिट कार्ड से पैसा निकालने का होता था।

गिरोह के भंडाफोड़ होने के वह भाग निकला वहीं, गिरोह के अन्य सदस्य भी शाही अंदाज के साथ रहते थे। खाती बाबा निवासी अर्श एवं मो. फैज भी यूएसटीडी बदलने में माहिर थे। इस वजह से अरमान ने इन दोनों को अपने गिरोह में शामिल किया हुआ था। आदिल और अदनान पहले भी सट्टे के आरोप में जेल जा चुके।

इस वजह से साइबर जालसाजों की पसंद है यूएसडीटी- साइबर जालसाज क्रिप्टो करेंसी के तौर पर सबसे अधिक यूएसडीटी का इस्तेमाल करते हैं। साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक यूएसडीटी कई खूबियों की वजह से साइबर जालसाजों द्वारा पसंद किया जाता है।

इसके जरिये न सिर्फ तेजी से पैसा ट्रांसफर किया जा सकता है, बल्कि अलग-अलग देशों के वॉलेट में भी इसे भेजना सबसे अधिक आसान है। लेनदेन के लिए पारंपरिक बैंक खाते की भी जरूरत नहीं पड़ती। ठग अपने असली नाम के बजाय अलग-अलग क्रिप्टो वॉलेट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इसकी सबसे बड़ी खूबी यह भी है कि जालसाज एक के बाद एक जल्दी से रकम को आगे भेजते जाते हैं, इस वजह से स्रोत का पता लगा पाना पुलिस के लिए भी आसान नहीं रह जाता। इसकी कीमत भी डॉलर के करीब स्थित रहती है, जबकि बिट कॉइन जैसी क्रिप्टो अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली मुद्रा होती है। इस वजह से इसमें खतरा भी कम रहता है। पिछली माह पकड़े गए साइबर जालसाज भी यूएसडीटी में ही पैसों को बदलते थे। इसके लिए यूमनी नामक एप का इस्तेमाल करते थे।

चाइनीज गेमिंग का सर्वर हैक करने वाले गिरोह से जुड़े तार भी खंगाल रही पुलिस

प्रेमनगर पुलिस ने ही मई महीने में चाइनीज गेमिंग का सर्वर हैंक करके करोड़ों रुपये की ठगी का भंडाफोड़ किया था। इनमें भी पकड़े गए सभी आरोपी प्रेमनगर के ही रहने वाले थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही कि अरमान के गैंग के सहारे ही यह जालसाज भी करोड़ों रुपये खपाने का काम करते थे। पुलिस इनके आपसी तार भी खंगालने में जुटी है। प्रेमनगर पुलिस ने प्रेमनगर पुलिस ने 27 मई को प्रेमनगर के स्कूलपुरा मोहल्ला निवासी रागिब अहमद को गिरफ्तार करके गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस गिरोह के लोग चाइनीज गेमिंग वेबसाइट के पेमेंट सर्वर को हैक करके उसका पैसा अपने खातों में ट्रांसफर कराते थे। गिरोह के साथ मिशन कंपाउंड निवासी सनी अमराया, पानी की टंकी निवासी सोहिल खान, नगरा निवासी अनुभव सिंह, ईसाई टोला निवासी दानिश खान, महावीरन निवासी सौरभ विश्वकर्मा एवं सुमेर नगर निवासी देवेश कुमार को गिरफ्तार किया था जबकि पुलिस हर्ष एवं सलाम को पुलिस अभी तक तलाश कर रही है।

दोनों ही गिरोह के अधिकांश सदस्य एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। ऐसे में पुलिस को आशंका है कि दूसरे सर्वर हैक करके उससे भी इन जालसाजों ने उगाही की। पुलिस इसको भी खंगालने में जुटी है।

114 म्यूल खातों को खंगाल रही पुलिस- करोड़ों रुपये खपाने वाले साइबर जालसाज इसके लिए म्यूल खातों का इस्तेमाल करते थे। यह सारे म्यूल खाते प्रेमनगर के गढिया गांव, ईसाई टोला, सुम्मेर नगर आदि इलाकों के लोगों के खोले गए। पुलिस को अभी तक 114 म्यूल खातों का पता चला है। इसके जरिए ही जालसाजी की रकम को मंगवाया जाता था। साइबर ठगी के 403 करोड़ रुपये खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

साइबर फ्रॉड की रकम को निकालकर उसे यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) में बदलने वाले गिरोह का प्रेमनगर पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए शुक्रवार को छह जालसाज गिरफ्तार कर लिए, जबकि तीन आरोपी अभी वांछित हैं। छानबीन में मालूम चला कि 56 बैंक खातों में साइबर ठगी करके करीब 403 करोड़ रुपये जमा कराए गए। इनमें झांसी में ही 35 बैंक खाते पाए गए, इनका संचालन गिरफ्तार आरोपी कर रहे थे।

पुलिस ने इनसे मिले 500 यूएसडीटी सीज कराने के साथ ही सात मोबाइल फोन, डायरी भी बरामद की है। प्रेमनगर थाने में नौ आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई। पुलिस वांछितों को तलाश रही है। एसपी (साइबर) अरीबा नोमान के मुताबिक समन्वय पोर्टल में 325 साइबर फ्रॉड की शिकायतें की छानबीन करने पर 56 बैंक खातों का पता चला, जिनमें पैसा भेजा जाता था। करीब 403 करोड़ रुपये की मनी ट्रेल सामने आई।

प्रेमनगर थाने के साइबर शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकांत शुक्ल की टीम ने सुरागकशी करके ईसाईटोला निवासी दीपक वर्मा उर्फ सत्यम, अदनान हुसैन, आदिल हुसैन, जान पाल निवासी कृष्णानगर कॉलोनी खेरा, अभिषेक चौधरी निवासी सुम्मेर नगर और अर्चित श्रीवास्तव निवासी लहर गिर्द का पता लगाकर शुक्रवार को इनको गिरफ्तार कर लिया।

अरमान है मास्टरमाइंड- पूछताछ में मालूम चला कि गिरोह का मास्टरमाइंड गढिया फाटक निवासी अरमान है। उसके साथ ही अर्श एवं मो.फैज भी शामिल हैं। इन तीनों को पुलिस तलाश रही है। छानबीन में मालूम चला कि गिरोह के सदस्य देश भर में साइबर ठगी करने वाले गिरोहों से रकम अपने नियंत्रण वाले बैंक खातों में मंगाते थे। इसके बाद रकम को अलग-अलग माध्यमों से घुमाने के बाद उससे यूएसडीटी खरीदते थे। रकम को नंबर एक में बदलने और अपना कमीशन काटने के बाद साइबर ठगों तक रकम पहुंचाते थे।सत्यम को रंगे हाथ पकड़ा- साइबर शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक शिवकांत शुक्ला को भनक लगने के बाद उन्होंने सत्यम समेत अन्य आरोपियों के बैंक खातों एवं लेनदेन की निगरानी शुरू की। शुक्रवार को सत्यम को साइबर ठगी की रकम को यूएसटीडी में बदलते रंगे हाथ पकड़ा। पिछले एक सप्ताह में ही आरोपियों ने करीब 9.75 लाख रुपये उस खाते में बदले थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के पूरे नेटवर्क, देशभर में जुड़े साइबर ठगों, बैंक खातों और रकम को इधर-उधर करने वाले अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क की कड़ियां कई राज्यों तक फैली हो सकती हैं। पुलिस आगे मामले की छानबीन कर रही है।

डॉक्टर को सता रहा हत्या का डर, बोले- अंकित बालियान जैसा न हो जाए मेरा हाल

चौसाना कस्बे में डा. राशिद अली के साथ कुछ युवकों ने क्लीनिक में घुसकर मारपीट की थी। सीसीटीवी फुटेज होने के बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। डा. राशिद अली और उनके परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। चौसाना कस्बे के मुख्य बाजार स्थित क्लीनिक में घुसकर बच्चों के डॉक्टर के साथ मारपीट के मामले में पांच दिन बाद भी आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों में नाराजगी है। परिजनों ने चिकित्सक की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या की तर्ज पर जानलेवा हमले की आशंका जताई है।

हालांकि पुलिस कार्रवाई की बात कह रही है।बीती 25 अगस्त को मुख्य बाजार में बड़े मदरसे के निकट स्थित चिकित्सक राशिद अली पुत्र अब्दुल सत्तार निवासी ग्राम अजीजपुर के क्लीनिक में नकाबपोश करीब आधा दर्जन युवक घुस आए थे। आरोप है कि युवकों ने डा. राशिद अली के साथ मारपीट की थी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना के बाद व्यापारियों के विरोध पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।परिजनों का आरोप है कि पांच दिन बाद भी पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। घटना के बाद से डा. राशिद अली और उनका परिवार दहशत में है। सुरक्षा की चिंता के चलते चिकित्सक घर से बाहर निकलने से बच रहा है। मरीजों के फोन आने पर भी मजबूरी में क्लीनिक नहीं आने की बात कहनी पड़ रही है।परिजनों ने दावा किया कि घटना से करीब एक सप्ताह पहले कुछ बाइक सवार युवकों ने डा. राशिद अली को जंगल के रास्ते में रोककर वारदात का प्रयास किया था। राहगीरों की आवाजाही के कारण उस समय वह बच गए थे। परिजनों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर पुलिस से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और चिकित्सक को सुरक्षा देने की मांग की है।विवेचक राहुल कुमार ने बताया कि घटना की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। मारपीट करने वाले आरोपी झिंझाना की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सलावा गंगनहर में भाकियू (क्रांतिकारी) का जल सत्याग्रह, यूजीसी बिल वापसी और जातिगत आरक्षण समाप्ति की मांग

हाथों में तख्तियां और बैनर लिए भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) के कार्यकर्ता गंगनहर में उतर गए। अध्यक्ष राजीव राणा ने कहा

कि जाति और आरक्षण के बजाय केवल योग्यता के आधार पर अधिकार व अवसर मिलने चाहिए।भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) संगठन के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सलावा स्थित मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के पास गंगनहर में उतरकर जोरदार प्रदर्शन और जल सत्याग्रह किया। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में थोपे जा रहे नियमों का विरोध करते हुए यूजीसी बिल को तत्काल रद्द करने और देश से जातिगत आरक्षण व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने की मांग उठाई।प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा पर किसी वर्ग विशेष के कब्जे को समाप्त कर पूरे देश में एक समान शिक्षा नीति लागू की जानी चाहिए। संगठन के अध्यक्ष राजीव राणा ने कहा कि जाति और आरक्षण के नाम पर देश को बांटने के बजाय केवल योग्यता के आधार पर अधिकार और अवसर मिलने चाहिए।गंगनहर के पानी में घंटों खड़े रहकर कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में असंवैधानिक व अन्यायपूर्ण फैसलों पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि यदि योग्यता आधारित व न्यायपूर्ण व्यवस्था लागू नहीं हुई तो यह आंदोलन और बड़ा रूप लेगा। मौके पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी: 18 दिन में दूसरी मौत, इस साल चौथी खुदकुशी, हाल की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

ऐसे में सवाल यह है कि क्या परेशानी सामने आने से पहले ही उसकी पहचान करने और विद्यार्थियों तक मदद पहुंचाने की व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है?एएमयू में पिछले 18 दिनों में एक छात्रा और छात्र की

आत्महत्या ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। इससे पहले भी विश्वविद्यालय से जुड़े विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या परेशानी सामने आने से पहले ही उसकी पहचान करने और विद्यार्थियों तक मदद पहुंचाने की व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है? एएमयू प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद का कहना है कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को अपनी समस्या अधिकारियों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था है। यदि किसी छात्र या छात्रा के परेशान होने का थोड़ा भी संकेत मिलता है तो विश्वविद्यालय की ओर से उससे संपर्क कर उसकी बात सुनी जाती है।हाल की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता- इर्तिका समीर, अगस्त 2026 = दर्शनशास्त्र में बीए द्वितीय वर्ष की 19 वर्षीय छात्रा इर्तिका समीर का शव आईजी हॉल के कमरे में फंदे से लटका मिला था।इंतिहा फातिमा, जनवरी 2026 = एएमयू की छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया था। गंभीर हालत में जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाने के बाद उनकी मौत हो गई थी अदीबा तारिक, फरवरी 2026 = एएमयू के एबीके हाईस्कूल की कक्षा आठ की 14 वर्षीय छात्रा ने घर पर आत्महत्या की थी। पुलिस जांच में पारिवारिक तनाव की बात सामने आई थी। मोहम्मद शाकिर, फरवरी 2025 = एमए थियोलॉजी प्रथम वर्ष के 25 वर्षीय छात्र का शव परिसर स्थित हॉस्टल के कमरे के बाहर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था।

69000 शिक्षक भर्ती: आरक्षण को लेकर आंदोलन फिर शुरू, शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठे अभ्यर्थी

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण को लेकर आंदोलन फिर शुरू हो गया है। इस बार अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं।राजधानी लखनऊ में 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले के खिलाफ पिछले कई वर्षों से आंदोलन करने वाले छात्रों का संघर्ष सड़कों पर आरक्षण दो न्याय दो की मांगें गूंज उठी 69000 शिक्षक भर्ती मामले की सुनवाई 8 सितंबर का पक्ष नहीं रख रही है, जिनकी नियुक्ति के लिए उसके आधार पर 6800 ओबीसी व दलित अभ्यर्थियों अर्चना शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नियुक्ति के लिए 5 जनवरी 2022 को 6800 आज तक नहीं मिली।अभ्यर्थी आशुतोष पटेल ने उनकी लिस्ट (जो 4 साल पहले जारी हुई) पर हमारा भविष्य खतरे में है।आंदोलन में शामिल यशवंत चलेगा। अगर, हमारी मुलाकात मुख्यमंत्री से नहीं प्रदर्शन में गंगा शरण,नज़्मा, अमर मौर्य,

आज पुन: शुरू हो गया। एक बार फिर से लखनऊ की हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय में को तय है। लेकिन सरकार सुप्रीम कोर्ट में उन अभ्यर्थियों चयन सूची आज से 4 साल पहले ही जारी हो चुकी है। को नियुक्ति पत्र मिलना था।अयोध्या से प्रदर्शन में शामिल से मिलकर हमने अपनी बात रखी थी। इसके बाद हमारी अभ्यर्थियों की लिस्ट तो जारी कर दी गई, लेकिन नियुक्ति बताया कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक बार भी बेसिक शिक्षा विभाग कोई पैरवी नहीं कर रहा है। इससे ने बताया कि आज से शुरू ये आंदोलन अब अनवरत कराई गई तो हम लोग सामूहिक भूख हड़ताल पर बैठेंगे। चंदन,संजय,संगम निषाद आदि मौजूद रहे।

Dependence on mobile and internet has made the brain "lazy," making normal brain function difficult.

Mobile phones have become an essential part of our lives, but excessive use can affect attention, concentration, sleep, and memory. Frequently checking the phone, instantly searching for every piece of information online, multitasking, and using the mobile phone at night are all habits that impact the brain. From the moment we wake up in the morning until the first few minutes before bed, we're glued to our mobile phones. Checking social media, replying to messages, watching videos while eating, and checking screen notifications every now and then, even during work, have all become common habits. Technology has made our lives much easier, but do you know how much it's costing us? Medical reports show that our increasing dependence on mobile phones has not only made the brain lazy but has also reduced its efficiency. For example, the increasing addiction to mobile phones and their reliance on them for every task has weakened the normal functioning of our brains. Researchers are calling mobile phones the enemy of the brain. Scientists explain that the impact of technology depends heavily on how we use them. Constant notifications, the habit of multitasking, relying on the internet for every little information, and using the mobile phone just before bed are habits that can impact attention, sleep, and mental concentration. In a meta-analysis, health experts examined 22 studies to understand the effects of mobile phones. The presence or use of mobile phones negatively impacts memory, attention, and general cognitive performance. Health experts say that relying on the internet for every little thing is weakening our ability to remember things. Previously, we used to read books, talk to people, and engage in mental exercises to get answers. Now, the internet provides instant solutions, saving the brain from having to work hard. Therefore, the brain's efficiency and quality of memory are diminishing. Mobile phones have made accessing information incredibly easy, but they are also changing the way we remember. To strengthen memory, it's essential to carefully absorb, understand, and recall information. If the answer is found on the phone before the brain can even try to recall it, the ability to remember that information on its own may diminish. Repeated screenshots weaken memory. Usually, the first thing we do when we see important information, a beautiful moment, or a relevant WhatsApp message on our mobile is to take a screenshot. This screenshot-taking habit only helps us forget the information, rather than helping us remember the message. A new study from Binghamton University in the US has raised serious questions about this habit that is growing among the general public. The research paper, titled "Digital Amnesia: The Aftermath of a Screenshot," describes its adverse effects. The study conducted seven different experiments in which participants were shown artwork on digital devices. Some just looked at it, some took photos, and some took screenshots. Those who just looked at it remembered the most later. Those who took photos experienced weaker memories, while those who took screenshots were most affected. Health experts say that while the sample size is quite small, the effects of the screenshotting habit on the brain deserve serious attention. Technology has certainly given us many conveniences, but we are also suffering significant consequences, knowingly or unknowingly. Screen time is affecting the brain. Using mobile phones until just before bed isn't just a habit of staring at a screen. Staying engaged in videos, social media, or messaging late into the night is pushing back bedtime and affecting sleep duration. Lack of sleep can impact the ability to concentrate, learn, and process information the next day. Similarly, filling every free moment with mobile phones reduces the brain's opportunity to think for itself. Standing in the lift, waiting for the bus, even while eating food, using the mobile phone never gives rest to the mind. Gradually, it becomes difficult to spend even a few minutes without the screen. Its effect on the development of children: In a recent report published in Amar Ujala regarding the ill effects of mobile phones, we had told that giving mobile phones to small children is like playing with their lives, but before that, all parents also need to improve this habit of theirs. Researchers have alerted that if parents often use the phone or work on the laptop in front of small children, then it can affect their children's ability to learn language and speak. Not only the screen in the child's hand, but even the screen which is always in the hands of the parents can be harmful.

Swine flu can also attack the lungs and heart. Know when it's a warning sign.

H1N1, or swine flu, is a respiratory infection that is mild in most cases, but can become severe in some. The infection primarily affects the lungs, and in severe cases, can lead to pneumonia, respiratory problems, and heart-lung complications. The capital, Delhi-NCR, is currently experiencing a severe outbreak of H1N1 swine flu. Health experts are concerned about the rate at which the infection is spreading. This year, the number of infections has already increased by nearly six times compared to last year. Furthermore, the steadily increasing number of cases is causing hospitals to become overwhelmed. Data shows that more than 1,777 cases of swine flu have been reported in Delhi so far this year. On August 20th, approximately 114 new cases were detected in a single day. As of August 6th, Delhi had 1,344 cases of H1N1. That's 433 new cases in just 14 days. According to AIIMS experts, influenza cases have been on the rise in the past due to temperature fluctuations and humidity during the monsoon season. The elderly and those with pre-existing conditions, including lung, heart, and diabetes, are at higher risk of developing severe infections. Children and pregnant women are also being advised to exercise caution. The question now is: is swine flu truly fatal? Can it affect multiple organs like COVID-19? There's no need to panic about swine flu like COVID-19. On Friday, Union Health Minister J.P. Nadda and senior Health Ministry officials, along with Delhi Health Minister Pankaj Kumar Singh and Health Department officials, met to review the swine flu situation and provided necessary instructions. Infectious disease specialist Dr. Neha Rastogi Panda says, "There's an increase in patients with influenza and flu-like symptoms. Many patients are experiencing a prolonged cough and high fever." Speaking to Amar Ujala, Intensive Care doctor Utkarsh Sinha said, "Swine flu isn't a new virus like coronavirus; it's been spreading before. It's a subtype of the influenza virus, and seasonal influenza cases have also been on the rise during the monsoon season. While healthy people usually recover quickly, the flu can become more severe in the elderly, pregnant women, young children, and those with pre-existing medical conditions. However, based on statistics and information circulating on social media, there's no need to panic like coronavirus. A little caution can easily avert this danger. We also have vaccines to protect against the influenza virus, so there's no need to worry about it taking a dangerous form. However, caution is the most important advice these days." According to medical reports, in severe cases, H1N1 infection can exacerbate lung and heart health in those with weakened immunity, the elderly, or those with pre-existing medical conditions. Some deaths have been reported, raising concerns. While H1N1 is considered a mild infection, severe cases can lead to death. A 62-year-old woman died in Ujjain, Madhya Pradesh, on August 19th during this outbreak. Following the death, a show-cause notice was issued to a private hospital in Indore, and a high-level investigation was ordered. The woman had tested positive for swine flu and was undergoing treatment at the private hospital. Despite doctors' advice, she was discharged from the hospital on August 18th and returned to her home in Ujjain, where she died the following day, August 19th. Earlier, on July 27th, another woman died of swine flu in Ajanur Manikoth, Kerala. The 56-year-old woman was undergoing treatment for fever and other health issues at a private hospital. When her condition worsened, she was shifted to a specialty hospital in Mangaluru, but she died. Lung-Related Problems in Infected People Dr. Utkarsh says, H1N1 is a respiratory infection. The virus can spread to another person through contact with droplets released by an infected person's coughing, sneezing, or talking. Once in the body, it primarily infects cells in the nose, throat, and respiratory tract. This is why the initial symptoms are mostly related to the respiratory tract. H1N1 can have the greatest impact on your lungs. In normal flu, the infection may be limited to the upper respiratory tract, but in severe cases, the virus can reach the lower respiratory tract. This can lead to inflammation and infection in the lungs, leading to pneumonia. Inflammation and pneumonia in the lungs can cause the body to lack adequate oxygen, which can lead to complications. This is why symptoms of shortness of breath, difficulty breathing, chest pain or pressure, rapid breathing, and bluish lips or face are considered emergencies. The infection can also affect the heart. The effects of swine flu are not limited to the lungs. Severe infections can also cause heart complications in some people.

"Packing life into three suitcases..." Why did Apoorva move to New York? She shared her dream.

Social media influencer Apoorva Mukhija is known as the "Rebel Kid." Last year, she was embroiled in controversy on Samay Raina's show "India's Got Latent." Now, this influencer has left the country and is living in New York. Find out the reason behind this move. Apoorva Mukhija shared some photos on Instagram on Friday night, showing her in New York. She looks very happy in these photos. Along with sharing the photos, Apoorva also wrote a caption, explaining the reason for her move to New York and sharing her dream with fans. This is why Apoorva moved to New York. Apoorva captioned her post, "I applied to a college and promised myself that if I got in, I would definitely go." Now I feel like I live in New York." She is seen in photos with three luggage bags and in one, standing on a college campus in New York. She has come to New York to pursue further studies. Apoorva has also written some captions along with her photos. In one, she writes, "It's pretty cool to pack your entire life into three suitcases." - Further, in another caption, she writes, "It's pretty cool to call New York home." Why does Apoorva like New York City? - Recently, in the "Untriggered by Aminjazz" podcast, Apoorva said, "I've traveled a lot. When I arrived in New York, I felt I really wanted to live here. There's something special about this city. Life here is so fast-paced. Everyone dresses so well, the food is amazing. I love the architecture. I've seen New York in every web series I love, so I've always wanted to live here." I applied to just one college in New York and I got admission.

Why did Mallika take a dig at contestant Shalini Passi on the show "The Traitors 2"? She shared a befitting reply by sharing a video.

Recently, on the reality show "The Traitors Season 2," Shalini Passi called Mallika Sherawat's green dress fake. Mallika has now given a befitting reply via social media. Mallika Sherawat has always been known in Bollywood for her outspoken statements. This same attitude was recently seen on the show "The Traitors 2." On the same show, contestant Shalini Passi called Mallika's dress fake. Mallika has now taken a dig at Shalini. Was Shalini Passi jealous of Mallika? Sharing a video on her Instagram, Mallika says, "I didn't realize my dress would become such a big topic of discussion. If anyone is even slightly jealous of my dress, my figure, or my glamour, I understand." Enjoy.' Mallika also wrote in the caption of the video, 'The dress is mine, the discussion is left.' Why did Shalini call Mallika's dress fake? - Recently, a viral clip from the show 'The Traitors 2' surfaced. In it, when Mallika said that she was wearing a dress from the famous brand Dolce, Shalini went to another contestant and told the truth. She said, 'I went to fix her mic and saw the brand. She is lying. I have been wearing such dresses since I was 17-18 years old. My dresses are custom-made. I can send you pictures. I have also worn dresses from many famous brands. This one is not like that.' Who got eliminated from the show? - Recently, Munawar Faruqui, Karan Singh Magic and Aditya Kulshrestha were eliminated from the show 'The Traitors 2'. While currently many celebs including Abhishek Malhan, Ansh Chopra, Ikka Singh, Crystal D'Souza, Mallika Sherawat, Rhea Chakraborty are left in the show.

Why did Chinmayi Sripada praise Chief Minister Vijay? She wrote this about 'Jana Nayakan'; the issue is related to sexual abuse.

Singer Chinmayi Sripada has praised Chief Minister Vijay and his film. She also praised the film's director. Let's find out what the whole matter is. Chinmayi Sripada has praised Tamil Nadu Chief Minister Vijay and his last film, 'Jana Nayakan,' which tackles the sensitive issue of child sexual abuse. The film was also a box office success. Chinmayi Sripada mentioned the child sexual abuse scene in the film as one that deeply affected her. What did Chinmayi say about Vijay? The singer is a frequent advocate for child safety. She said she was pleased that Thalapathy Vijay used his platform to speak out on this issue. She also thanked director H. Vinoth for including the scene. 'Jana Nayakan' has now become the highest-grossing Tamil film of 2026. Chinmayi Sripada praises the team - On X, Chinmayi Sripada talked about the aspect of 'Jana Nayakan' that meant the most to her. She wrote, "I want to talk about the one thing that was most important to me and the cause I stand for: protection of children from sexual abuse and immediate action. I still want that because what else do we have except hope?" May those who abuse be put to an end - She further wrote, "It was very important and crucial for a big star like Vijay and the Honorable Chief Minister of Tamil Nadu to talk about child sexual abuse in the film. A big thank you to director H. Vinoth and the Honorable Chief Minister for that scene. I hope and pray that all children are protected from abuse." Let there be an end to those who exploit.'Jana Nayakan, a box office success, directed by H Vinoth, released in theatres on July 23, after being delayed due to the lengthy censorship process. The film received mixed to negative reviews from critics and some sections of the audience. The film grossed over ?300 crore worldwide and is said to be one of the highest-grossing Indian films of 2026. It is now streaming on ZEE5, giving viewers who missed the film in theatres a chance to see Vijay in action. 'Jana Nayakan' is inspired by the Telugu film 'Bhagwantha Kesari'.